Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-17, अंक-06 16-31 मार्च, 2022 (पाक्षिक) ₹20

विधानसभा चुनावों में
भाजपा की भव्य जीत

विधानसभा चुनाव परिणाम 2022

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भाजपा की शानदार जीत

भाजपा सरकार की
गरीब कल्याण नीतियों पर मुहर

त्रिपुरा की भाजपा सरकार के
चार सफल वर्ष पूर्ण

यूक्रेन से भारतवासियों की
सकुशल घर वापसी

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के देवास (मध्यप्रदेश) आगमन पर मध्य प्रदेश भाजपा द्वारा भव्य स्वागत

देवास (मध्यप्रदेश) में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'स्वयं सहायता समूह' कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री वी.डी. शर्मा

जम्मू-कश्मीर में भाजपा प्रदेश पदाधिकारी बैठक को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

अगरतला (त्रिपुरा) में त्रिपुरा की भाजपा सरकार के 4 वर्ष पूरे होने पर एक जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

अहमदाबाद (गुजरात) में दांडी मार्च की 92वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'दांडी साइकिल यात्रा' का शुभारंभ करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

नई दिल्ली स्थित सागरपुर (पश्चिम) के नसीरपुर में इंद्रप्रस्थ पार्क का उद्घाटन करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और साथ में भाजपा, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता व अन्य

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 विधानसभा चुनावों में खिला कमल

सामान्य तौर पर सत्ताधारी पार्टी का दोबारा सत्ता में आना कठिन रहता है। सत्ता विरोधी लहर की संभावना रहती है, लेकिन गत 10 मार्च को आए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम से स्पष्ट हुआ कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार इन चार राज्यों में जनता पुनः चाहती है। ऐसा इसलिए हुआ कि भाजपा सरकार की...

12 यह भव्य विजय भारत के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 मार्च, 2022 को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय...

15 'जनता ने भाजपा सरकार की गरीब कल्याण नीतियों, कार्यक्रमों एवं उनके निर्णयों पर मुहर लगाई है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 10 मार्च...

20 जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक बदलाव साफ नजर आता है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे आने वाले...

21 चार वर्षों में हमारी डबल इंजन वाली सरकार ने त्रिपुरा को संवारने का कार्य किया है : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने...

वैचारिकी

सिद्धांत और नीतियां / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 26

श्रद्धांजलि

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि 28

शिव कुमार पारीक नहीं रहे 28

मन की बात

भारत पिछले सात साल में 200 से ज्यादा बहुमूल्य प्रतिमाओं को वापस ला चुका है: नरेन्द्र मोदी 33

अन्य

असम नगर निकाय चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत 19

यूक्रेन से भारतवासियों की सकुशल घर वापसी प्रधानमंत्री मोदीजी के अथक प्रयासों का परिणाम : भाजपा 23

फरवरी, 2022 में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,33,026 करोड़ रुपये रहा 25

हमें बापू के 'ग्रामीण विकास' के सपने को पूरा करना चाहिए: नरेन्द्र मोदी 29

'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' के कार्यान्वयन को मिली मंजूरी 30

2021-22 के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के निर्यात में 2013-14 की तुलना में 88 प्रतिशत की हुई वृद्धि 32

क्वॉड को हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के मुख्य उद्देश्य पर ध्यान देना चाहिये: नरेन्द्र मोदी 34

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से देश में उपचार पाना और देना, दोनों बहुत आसान हो जाएंगे। इतना ही नहीं, ये भारत के क्वालिटी और अफॉर्डेबल हेल्थकेयर सिस्टम की ग्लोबल एक्सेस को भी आसान बनाएगा।

जगत प्रकाश नड्डा

राजीव गांधी कहते थे कि मैं 1 रुपया भेजता हूं तो लाभार्थी तक 15 पैसे ही पहुंचते हैं, लेकिन ये समस्या क्यों थी, इसका क्या समाधान हो सकता है, इस पर किसी ने सोचा तक नहीं। हमारी सरकार बनी तब हमने इस समस्या को खत्म किया। आज पूरा का पूरा एक रुपया सीधा लाभार्थी को मिलता है।

अमित शाह

कम्युनिस्टों ने त्रिपुरा में 25 साल तक गरीबों के नाम पर राज किया, लेकिन गरीब कल्याण के लिए कुछ नहीं किया। जो त्रिपुरा पहले हिंसा, ड्रग्स और नशे के कारोबार से त्रस्त था, वो आज नरेन्द्र मोदी जी व बिप्लब देव जी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है।

राजनाथ सिंह

विकास को मज़बूती देने का काम केवल भाजपा सरकारें ही कर सकती हैं।

बी.एल. संतोष

यदि कोई एक कारक है जो चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत को परिभाषित करता है, तो वह यह है कि किस प्रकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न योजनाओं को लागू किया और संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा उनको सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया।

नितिन गडकरी

'जन औषधि दिवस' स्वस्थ भारत के प्रति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की कटिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के यशस्वी क्रियान्वयन ने दुनिया में एक अभूतपूर्व उदाहरण प्रस्तुत किया है। गरीबों की दवा की लागत को कम करने के लिए हमारी सरकार पीएमबीजेपी के तहत जनता को सस्ती कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध करा रही है।

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
होली (18 मार्च)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

भाजपा के प्रति बढ़ता जनसमर्थन

पूरे देश में भाजपा को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों में पुनः प्रतिबिंबित हुआ है। जिन पांच राज्यों में चुनाव हुए, उनमें से चार राज्यों के चुनावों में भाजपा को न केवल विजयश्री प्राप्त हुई है, बल्कि शासन में रहे दल के पुनर्निर्वाचन का इतिहास भी बना है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर एवं गोवा में पूर्ण बहुमत से पुनः भाजपा सरकारें निर्वाचित कर मतदाताओं ने राजनैतिक स्थिरता का संकेत दिया है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न केवल अपने पांच वर्ष के कार्यकाल को सफलतापूर्वक पूरा किया, बल्कि इन चुनावों में वे दो-तिहाई से अधिक जनसमर्थन प्राप्त करने में भी सफल रहे।

उत्तर प्रदेश में कई दशकों में यह पहली बार हुआ है कि किसी मुख्यमंत्री ने अपना कार्यकाल पूर्ण किया और किसी दल की सरकार पुनः निर्वाचित हुई है। उत्तराखंड में हर पांच वर्ष में सरकार बदलने का क्रम तोड़ते हुए जनता ने प्रदेश की भाजपा सरकार को पुनः एक बड़ा जनादेश दिया है। मणिपुर में भाजपा सरकार पूर्ण बहुमत से पुनः निर्वाचित हुई है तथा गोवा में इस बार मतदाताओं ने स्पष्ट जनसमर्थन देकर भाजपा की सरकार बनाई है। जिस प्रकार का भारी जनादेश देश की जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं करिश्माई नेतृत्व में भाजपा को दे रही है, उससे देश में पिछले तीन दशकों की राजनैतिक अस्थिरता का दौर समाप्त हुआ है। भाजपा के पक्ष में यह अद्भुत जनसमर्थन देश में एक नए राजनैतिक युग का शंखनाद कर रहा है। भौगोलिक रूप से एक-दूसरे से दूर एवं जनसंख्या की दृष्टि से भिन्न इन प्रदेशों में इस प्रकार के जनसमर्थन से यह स्पष्ट है कि सुशासन, विकास एवं 'परफॉर्मेंस' की राजनीति अब भारतीय राजनीति के हृदय में अपना स्थान बना चुकी है।

इन चार राज्यों के जनादेश को पिछले दो वर्षों के कोविड-19 महामारी के संदर्भ में यदि देखें; जबकि वैश्विक स्तर पर कई समस्याएं खड़ी हुईं; तब यह जनसमर्थन अद्भुत एवं अभूतपूर्व लगता है। यह एक ऐसा चुनौतीपूर्ण दौर रहा जिसका सामना करना अत्यंत दुष्कर प्रतीत होता था। ऐसी विकट परिस्थितियों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत एवं दृढ़-निश्चयी नेतृत्व में देश ने हर चुनौती को अवसर में बदला तथा कई जरूरतमंद देशों के कठिन समय में उनका सहयोग किया। इस वैश्विक महामारी पर विजय प्राप्त करने के भारत के दृढ़ संकल्प का साक्षात्कार पूरे विश्व ने तब किया, जब देश में 'मेड-इन-इंडिया' टीकों का निर्माण रिकॉर्ड समय में किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि विश्व के सबसे व्यापक एवं तेज टीकाकरण अभियान के अंतर्गत भारत जैसी विशाल जनसंख्या वाले देश के 90 प्रतिशत से अधिक पात्र नागरिकों को टीके की कम-से-कम एक खुराक दी जा चुकी है। इतना ही नहीं, इन टीकों को कई अन्य जरूरतमंद देशों को उपलब्ध कराकर आज इस महामारी के विरुद्ध लड़ाई में भारत एक अग्रणी भूमिका में है। निःशुल्क राशन, निःशुल्क टीका, समाज के कमजोर वर्गों को सहायता एवं राहत, भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा 'सेवा ही संगठन' अभियान के माध्यम से देशभर में व्यापक जनसेवा, चिकित्सकों, नर्सों, चिकित्साकर्मियों, प्रशासनकर्मियों एवं कोरोना योद्धाओं द्वारा समाज की निःस्वार्थ सेवा, आत्मनिर्भर भारत का आह्वान एवं इस वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए असंख्य अभिनव एवं मजबूत पहल से जन-जन का विश्वास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व कौशल एवं भाजपा कार्यकर्ताओं की निःस्वार्थ सेवा पर और भी अधिक सुदृढ़ हुआ है। आज देश की जनता का इन उपलब्धियों से न केवल मस्तक ऊंचा हुआ है, बल्कि वे देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रति भी पूरी तरह से आश्वस्त है।

एक ओर जहां पूरा राष्ट्र इस वैश्विक महामारी का एकजुट होकर सामना कर रहा था, वहीं विपक्षी राजनैतिक दल झूठे प्रोपगेंडा एवं आधारहीन आरोपों के आधार पर अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने का कुत्सित प्रयास कर रहे थे। जिस प्रकार से कांग्रेस एवं कई अन्य विपक्षी दलों ने भय, शंका एवं नकारात्मकता का वातावरण बनाकर राष्ट्र का मनोबल तोड़ने के प्रयत्न किए, उसे देश कभी भूल नहीं सकता। एक कठिन दौर में इन लोगों ने राष्ट्र की क्षमता को चुनौती दी तथा 'मेड इन इंडिया' टीकों पर झूठे प्रश्न खड़े किए। जनता ने ठीक ही इन चुनावों में इन्हें धूल चटाया तथा इनकी झूठ, फरेब एवं धोखाधड़ी की राजनीति को दंड दिया। एक ओर जहां भाजपा को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर एवं गोवा में व्यापक जनाशीर्वाद मिला, वहीं पंजाब में लोगों ने कांग्रेस को सत्ता से हटाकर दंड दिया और इसमें कोई संदेह नहीं कि आने वाले दिनों में वहां भी अवश्य 'कमल' खिलेगा। असम एवं तमिलनाडु के स्थानीय निकाय चुनावों में भी भाजपा को मिले जनसमर्थन इसी ओर संकेत कर रहे हैं। इसमें अब कोई शंका नहीं कि भाजपा अब जन-जन के हृदय में पूरी तरह से बस चुकी है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

विधानसभा चुनाव परिणाम-2022

विधानसभा चुनावों में खिला कमल

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर एवं गोवा में भाजपा की जोरदार वापसी

सामान्य तौर पर सत्ताधारी पार्टी का दोबारा सत्ता में आना कठिन रहता है। सत्ता विरोधी लहर की संभावना रहती है, लेकिन गत 10 मार्च को आए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम से स्पष्ट हुआ कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार इन चार राज्यों में जनता पुनः चाहती है। ऐसा इसलिए हुआ कि भाजपा सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों से जनता का हित सुनिश्चित हो रहा है और वे लगातार भाजपा के प्रति अपना भरोसा जता रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में जन-जन का विकास हो रहा है और मजबूत भारत का सपना साकार हो रहा है।

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर एवं गोवा विधानसभा चुनावों में अपनी सरकार बरकरार रखते हुए जीत का परचम लहराया। भाजपा को इन चुनावों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपानीत राजग सरकार की निःशुल्क गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत योजना, कोरोना संकट में निःशुल्क टीका एवं निःशुल्क राशन वितरण जैसी योजनाओं से लाभार्थी लोगों का सहयोग मिला, तो वहीं भाजपानीत राज्य सरकारों में बेहतर कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के चलते लोगों का समर्थन प्राप्त हुआ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के कुशल नेतृत्व में कोरोना काल में निरंतर 'सेवा ही संगठन' अभियान एवं अन्य संगठनात्मक गतिविधियों से मजबूत संगठन का भी लाभ मिला। मतदाताओं ने जातिवाद और परिवारवाद से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद और विकासवाद के पक्ष में मतदान किया।

इन चुनावों में सबसे करारी हार कांग्रेस की हुई, जिसे पंजाब में न सिर्फ अपनी सत्ता गंवानी पड़ी, बल्कि अन्य राज्यों में भी उसकी दुर्गति हुई।

भाजपा की लगातार दूसरी बार ऐतिहासिक जीत

कुल 403 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी ने अपने सहयोगी दलों के साथ 273 सीटें जीतकर दो तिहाई बहुमत प्राप्त किया। भाजपा ने 37 साल पुराने इतिहास को तोड़ते हुए लगातार दोबारा जीत दर्ज की। भाजपा ने 255 सीटों पर शानदार विजय प्राप्त की। उसकी सहयोगी पार्टी अपना दल (सोनेलाल) ने 12 सीटों पर जीत दर्ज कर प्रदेश में तीसरे सबसे बड़े दल के रूप में अपनी जगह बनाई, जबकि निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) ने भी छह सीटों पर जीत हासिल की।

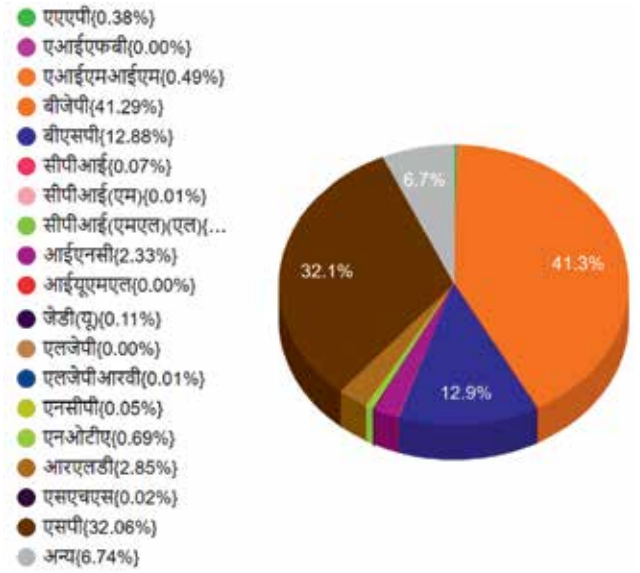

समाजवादी पार्टी गठबंधन को कुल 125 सीटें हासिल हुईं, जिनमें से 111 सीटें सपा को मिलीं। उसकी सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय लोक दल को 8 एवं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को 6 सीटें मिलीं। कांग्रेस और बसपा का तो बहुत बुरा हाल हुआ। कांग्रेस और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक को 2-2 और बसपा को 1 सीट से संतोष करना पड़ा। मत प्रतिशत की बात करें तो भाजपा को सर्वाधिक 41.29 प्रतिशत मिले, जबकि सपा को 32.06 प्रतिशत, बसपा को 12.88 प्रतिशत, आरएलडी को 2.85 प्रतिशत एवं कांग्रेस को 2.33 प्रतिशत मत मिले।

दलगत स्थिति	
दल का नाम	**कुल**
अपना दल (सोनेलाल)	12
बहुजन समाज पार्टी	1
भारतीय जनता पार्टी	255
इंडियन नेशनल कांग्रेस	2
जनसत्ता दल लोकतांत्रिक	2
निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल	6
राष्ट्रीय लोक दल	8
समाजवादी पार्टी	111
सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी	6
कुल	**403**

विजय के पश्चात् मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, जनता एवं कार्यकर्ताओं का आभार जताया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चार राज्यों में भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनने जा रही है। इन चार राज्यों में प्रधानमंत्री के विकास और सुशासन को जनता ने फिर से आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा, 'यह प्रचंड बहुमत भाजपा के राष्ट्रवाद, विकास और सुशासन के मॉडल को उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता का आशीर्वाद है। इस आशीर्वाद को स्वीकार करते हुए हमें लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास' को आगे बढ़ाना होगा।' ■

भाजपा बनी दूसरी बार सत्ता में आने वाली पहली पार्टी

उत्तराखंड की कुल 70 सीटों में से भारतीय जनता पार्टी ने 47 सीटों पर विजय प्राप्त कर जीत का परचम लहराया, जबकि

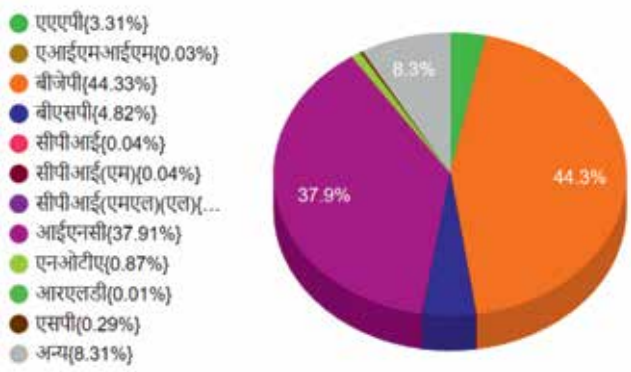

कांग्रेस को 19 सीटें मिलीं। यहां बसपा और निर्दलीय को दो-दो सीटें मिलीं। भाजपा को सर्वाधिक 44.33 प्रतिशत मत मिले, वहीं कांग्रेस को 37.91 प्रतिशत और बसपा को 4.82 प्रतिशत मत मिले। भाजपा उत्तराखंड में लगातार दूसरी बार विधानसभा चुनाव जीतने वाली पहली पार्टी बन गई है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट कर कहा कि यह जीत हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी के प्रति भरोसे की जीत है, यह जीत हमारी सरकार द्वारा किए गए विकासोन्मुखी

उत्तराखंड परिणाम स्थिति	
दल का नाम	**कुल**
बहुजन समाज पार्टी	2
भारतीय जनता पार्टी	47
निर्दलीय	2
इंडियन नेशनल कांग्रेस	19
कुल	**70**

कार्यों की जीत है और यह जीत उत्तराखंड की जनता की जीत है। देवभूमि के समग्र विकास हेतु हमने जो आधारशिला रखी है उसका परिणाम आने वाले समय में दिखने लगेगा। उन्होंने कहा कि आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में यह जश्न पुनः उत्तराखण्ड में राष्ट्रवाद और विकासवाद की जीत का है, देवभूमि की देवतुल्य जनता एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। ■

पंजाब

पंजाब की 117 सीटों में से आम आदमी पार्टी को 92 सीटें मिलीं। कांग्रेस को 18 और शिरोमणि अकाली दल को 3 सीटें मिलीं। भारतीय जनता पार्टी को 2 सीटें प्राप्त हुईं। बहुजन समाज पार्टी और निर्दलीय को 1-1 सीट मिली। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी को 42.01 प्रतिशत मिले, वहीं कांग्रेस को 22.98 प्रतिशत, शिरोमणि अकाली दल को 18.38 प्रतिशत एवं भाजपा को 6.60 प्रतिशत मत मिले। ■

भाजपा के प्रदर्शन की मुख्य बातें

उत्तर प्रदेश

- उत्तर प्रदेश में 37 वर्षों बाद सत्ताधारी दल पुनः सरकार बनाने में कामयाब हुआ है।
- पहली बार मौजूदा मुख्यमंत्री, जिन्होंने पांच साल का कार्यकाल पूरा किया है, फिर से निर्वाचित हुए हैं।
- भाजपा के मत प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 2017 के विधानसभा चुनाव में प्राप्त 39.7 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 41.29 प्रतिशत हो गया।

उत्तराखंड

- भाजपा की इस जीत के साथ उत्तराखंड में हर चुनाव में सरकार बदलने का चलन खत्म हो गया।
- पहली बार उत्तराखंड में राज्य सरकार पुनः निर्वाचित होकर आई है।
- भाजपा को 44.3 प्रतिशत मत हासिल हुआ।

भाजपा ने लगाई जीत की हैट्रिक

गोवा की 40 सदस्यीय विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी ने 20 सीटों पर विजय प्राप्त की। कांग्रेस को 11 और उसके सहयोगी दल गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) को एक सीट मिली। महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी और आम आदमी पार्टी ने दो-दो सीटें

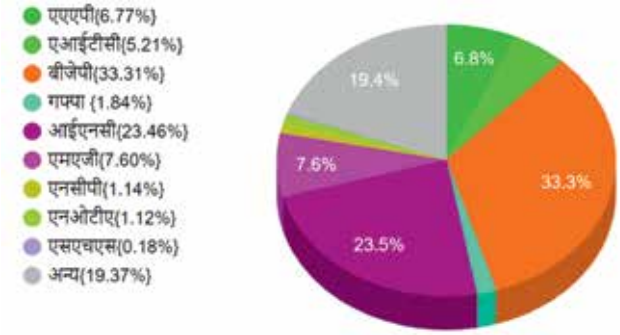

गोवा परिणाम स्थिति	
दल का नाम	**कुल**
आम आदमी पार्टी	2
भारतीय जनता पार्टी	20
गोवा फॉरवार्ड पार्टी	1
निर्दलीय	3
इंडियन नेशनल कांग्रेस	11
महाराष्ट्रवादी गोमांतक	2
रेवोलुशनरी गोवन्स पार्टी	1
कुल	**40**

प्राप्त की। रेवोलुशनरी गोवन्स पार्टी को एक और निर्दलीय को 3 सीटें मिलीं। मत प्रतिशत की बात करें तो भाजपा को सर्वाधिक 33.31 प्रतिशत मिले, वहीं कांग्रेस को 23.46 प्रतिशत, एमएजी को 7.60 प्रतिशत, एएएपी को 6.77 प्रतिशत और एआईटीसी को 5.21 प्रतिशत मत मिले। यहां भाजपा हैट्रिक बनाते हुए लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। ■

भाजपा की शानदार जीत

मणिपुर विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला। कुल 60 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 32 सीटों पर विजय प्राप्त की। कांग्रेस अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 5 सीटों पर सिमट गई। जनता दल (यूनाइटेड) को

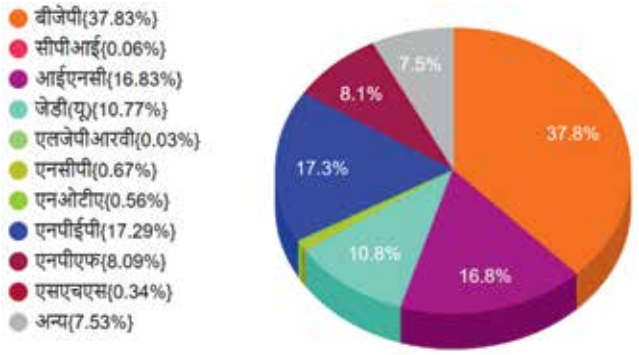

मणिपुर परिणाम स्थिति	
दल का नाम	**कुल**
भारतीय जनता पार्टी	32
निर्दलीय	3
इंडियन नेशनल कांग्रेस	5
जनता दल (यूनायटेड)	6
कुकी पीपुल्स एलायंस	2
नागा पीपुल्स फ्रंट	5
नेशनल पीपुल्स पार्टी	7
कुल	60

6 और नेशनल पीपुल्स पार्टी को 7 सीटें मिलीं। नगा पीपुल्स फ्रंट और कांग्रेस को 5-5 सीटें मिलीं। 2 सीटों पर कूकी पीपुल्स एलायंस और तीन सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। भाजपा को सर्वाधिक 37.83 प्रतिशत मिले, वहीं कांग्रेस को 16.83 प्रतिशत, जेडी(यू) को 10.77, एनपीईपी को 17.29 एवं एनपीएफ को 8.09 प्रतिशत मत मिले। ■

समाचार-पत्रों में छाई भाजपा की जीत

हाल ही में संपन्न देश के पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में से चार राज्यों में हुई भाजपा की जीत को समाचार-पत्रों ने उल्लेखनीय बताया और इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया। हम यहां प्रमुख समाचार-पत्रों की संपादकीय टिप्पणियों के मुख्य अंश प्रकाशित कर रहे हैं:

दैनिक जागरण

योगी सरकार ने सुशासन के मामले में एक प्रतिमान स्थापित किया और वह भी कोरोना संकट के चलते अच्छा-खासा समय बर्बाद हो जाने के बाद भी। इसी सुशासन के कारण भाजपा को शानदार जीत हासिल हुई। इस जीत ने एक नए राजनीतिक इतिहास की रचना की, क्योंकि दशकों बाद कोई सरकार अपनी सत्ता बचाने में सफल रही।...उत्तर प्रदेश में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल कर यह साबित कर दिया कि विपक्ष के पास मोदी-योगी के उस करिश्मे का कोई जवाब नहीं जो उन्होंने केंद्र और राज्य की कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं को जमीन पर उतारकर किया।

हिन्दुस्तान

भारतीय राजनीति का यह दौर भाजपा के लिए सुखद रूप से ऐतिहासिक है। देश के सबसे महत्वपूर्ण सूबे उत्तर प्रदेश में भाजपा को मिली जीत कुशल राजनीतिक प्रबंधन की एक बेहतरीन मिसाल है।...राम, शिव और कृष्ण से जुड़े इस प्रदेश में भाजपा स्वयं अपने लिए भी नया इतिहास लिख चली है। जीत के इस सिलसिले से पार्टी को भविष्य के लिए बहुत बल मिलने वाला है। सत्ता-विरोधी सामान्य लहर के बावजूद उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में मिले 40 प्रतिशत से ज्यादा मत और गोवा, मणिपुर के सम्मानजनक मत को अगर हम देखें तो पाएंगे कि लोग भाजपा से संतुष्ट हैं। तुलनात्मक रूप से यही पार्टी है, जो आज अपनी योजनाओं के साथ गरीबों के साथ खड़ी है।

अमर उजाला

उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे राष्ट्रीय फलक पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुर्जेय नेतृत्व की तस्दीक कर रहे हैं।

नवभारत टाइम्स

पांच राज्यों के चुनावी नतीजे में कई संदेश छिपे हैं।...इन नतीजों का पहला संदेश तो यही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और बीजेपी की चुनावी मशीनरी का कोई मुकाबला नहीं है।...आखिरी बड़ा संदेश इन नतीजों का यह है कि 2024 लोकसभा चुनाव में फिलहाल बीजेपी का पलड़ा भारी लग रहा है। यानी मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं। ■

यह भव्य विजय भारत के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 मार्च, 2022 को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक विजय के पश्चात् पार्टी कार्यकर्ताओं के सैलाब को संबोधित किया और इस जीत को जनता और लोकतंत्र की जीत बताया।

श्री मोदी ने कहा कि मैं इन चुनाव में हिस्सा लेने वाले सभी

मतदाताओं को बधाई देता हूं। ये उत्सव भारत के लोकतंत्र के लिए है। हमारी माताओं, बहनों और युवाओं ने जिस तरह भारतीय जनता पार्टी को भरपूर समर्थन दिया है, वह अपने आप में बहुत बड़ा संकेत है। मुझे इस बात का भी संतोष है कि फर्स्ट टाइम वोटर्स ने बढ़-चढ़ कर मतदान में हिस्सा लिया और भाजपा की जीत पक्की की। चुनाव के दौरान भाजपा के कार्यकर्ताओं ने मुझसे वादा किया था कि इस बार होली 10 मार्च से ही शुरू हो जाएगी। हमारे कार्यकर्ताओं ने चारों प्रदेश में भाजपा का ये विजय ध्वज फहराकर इस वायदे को पूरा कर दिखाया है। मैं पार्टी के उन सभी कार्यकर्ताओं की भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूं जिन्होंने दिन-रात देखे बिना इन चुनावों में काम किया और जनता का विश्वास जीतने में सफल रहे। मैं हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करने और भाजपा की विजय यात्रा को सुनिश्चित करने हेतु हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी का भी अभिनंदन करता हूं।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में आज हमारे कार्यकर्ताओं ने जीत का चौका लगाया है। उत्तर प्रदेश ने देश को अनेक प्रधानमंत्री दिए थे, लेकिन 5 साल का कार्यकाल पूरा करने वाले किसी मुख्यमंत्री के दोबारा चुने जाने का ये पहला उदाहरण है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्षजी ने विस्तार से बताया कि उत्तर प्रदेश में 37 साल बाद कोई सरकार लगातार दूसरी बार सत्ता में आई है। तीन राज्यों यूपी, गोवा और मणिपुर में सरकार में होने के बावजूद भाजपा के वोट शेयर में वृद्धि हुई है। गोवा में सारे एग्जिट पोल गलत सिद्ध हुए और गोवा की जनता ने हमें फिर से सेवा का अवसर दिया। 10 साल सत्ता में रहने के बाद भी गोवा में भाजपा की सीटें बढ़ी हैं। उत्तराखंड में भी भारतीय जनता पार्टी ने नया इतिहास रचा है। देवभूमि में पहली बार कोई पार्टी लगातार दूसरी बार सत्ता में आई है। सीमा से सटा एक पहाड़ी राज्य (उत्तराखंड), एक समुद्र तटीय राज्य (गोवा), एक मां गंगा का विशेष आशीर्वाद प्राप्त राज्य (उत्तर प्रदेश) और पूर्वोत्तर सीमा पर एक राज्य (मणिपुर)— भाजपा को चारों दिशाओं से आशीर्वाद मिला है। इन राज्यों की चुनौतियां भिन्न हैं। सबकी विकास की यात्रा का मार्ग भिन्न है, लेकिन एक सूत्र जो उभयनिष्ठ है, वह है— भाजपा पर विश्वास, भाजपा की नीति, भाजपा की नीयत और भाजपा के निर्णयों पर अपार विश्वास। ये नतीजे भाजपा की प्रो-पुअर, प्रो-एक्टिव गवर्नेंस पर एक प्रकार से बड़ी मुहर है। हमने देश भर में और जहां-जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां गवर्नेंस डिलिवरी सिस्टम बेहतर किया। मैं गरीब के घर तक उसका हक पहुंचाए बिना चैन से बैठने वाला इंसान नहीं हूं। सरकार और गवर्नेंस में कितनी दिक्कतें होती हैं, इसे जानता हूं। हर गरीब तक सरकार की योजनाओं को सौ फीसदी तक पहुंचाने का हमने संकल्प लिया। जब ईमानदारी होती है, नीयत साफ होती है, गरीबों के लिए करुणा होती है, देश के कल्याण का मंत्र होता है तो ऐसी हिम्मत पैदा होती है।

उन्होंने कहा कि आज मैं महिलाओं, बहन, बेटियों को विशेष रूप से नमन करता हूं। चुनाव में उनका बड़ा योगदान रहा है। ये हमारा सौभाग्य है कि भाजपा को बहनों, बेटियों और माताओं ने इतना स्नेह दिया, इतना आशीर्वाद मिला है। जहां-जहां महिला मतदाताओं ने पुरुषों के मुकाबले ज्यादा मतदान किया है, वहां भारतीय जनता पार्टी को बंपर जीत मिली है। हमारी माताएं, बहनें, बेटियां, स्त्री शक्ति भाजपा की जीत की साक्षी बनी हैं।

श्री मोदी ने कहा कि मैं सभी तथाकथित राजनीतिक पंडितों को कहता हूं कि देश की भलाई के लिए पुरानी घिसी-पिटी चीजें छोड़कर नई चीजें सोचना शुरू कीजिए। इस देश के लिए बड़े दुःख की बात है। मैं भी यह अनुभव करता था, जब ये ज्ञानी लोग यूपी की जनता को सिर्फ और सिर्फ जातिवाद के तराजू से तौलते थे और उसी दृष्टि से देखते थे। उत्तर प्रदेश के नागरिकों को जातिवाद की बाड़ेबंदी में बांधकर उन नागरिकों और उत्तर प्रदेश का अपमान करते थे। कुछ लोग यूपी को यह कहकर बदनाम करते हैं कि यूपी में जाति ही चलती है। 2014, 2017, 2019 और अब 2022 - हर बार उत्तर प्रदेश

की जनता ने सिर्फ विकासवाद की राजनीति को ही चुना है। यूपी की जनता ने इन लोगों को ये सबक दिया है। ये सबक उन्हें सीखना होगा। उत्तर प्रदेश के हर नागरिक ने ये सबक दिया है कि जाति की गरिमा, जाति का मान, देश को जोड़ने के लिए होना चाहिए, तोड़ने के लिए नहीं। ये चार-चार चुनावों में हमने करके दिखाया है। 2019 के चुनाव नतीजों के बाद कुछ पॉलिटिकल ज्ञानियों ने कहा था कि 2019 की जीत में क्या है, ये तो 2017 में ही तय हो गई थी, क्योंकि 2017 में यूपी का रिजल्ट आया था। मैं मानता हूं कि इस बार भी ये ज्ञानी जरूर कहने की हिम्मत करेंगे कि 2022 के नतीजों ने 2024 के नतीजे तय कर दिए हैं। देश में जहां-जहां डबल इंजन की सरकार रही, वहां पर जनता के हितों की सुरक्षा हुई।

उन्होंने कहा कि मैं आज पंजाब के भाजपा कार्यकर्ताओं की भी विशेष प्रशंसा करूंगा। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी जिस प्रकार पार्टी का झंडा बुलंद किया है, वो आने वाले समय में पंजाब में भाजपा की मजबूती और देश की मजबूती को विकसित करने में सहायक होगा। पंजाब में भाजपा एक शक्ति के रूप में उभरनी है, ये मैं अपनी आंखों के सामने देख रहा हूं। सीमावर्ती राज्य होने के नाते उस राज्य को अलगाववादी राजनीति से सतर्क रखना भाजपा का कार्यकर्ता जान की बाजी लगाकर करेगा। आने वाले 5 सालों में भाजपा का हर कार्यकर्ता वहां इस दायित्व को जोर-शोर से निभाने वाला है, ये विश्वास मैं पंजाब की जनता को देना चाहता हूं।

उन्होंने कहा कि ये चुनाव ऐसे समय में हुए हैं, जब पूरी दुनिया 100 साल की सबसे बड़ी कोरोना महामारी से लड़ रही है। युद्ध ने भी विश्व की चिंताएं बढ़ाई हैं। इन परिस्थितियों में दुनियाभर की सप्लाई चेन प्रभावित हुई हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारत ने जो कदम उठाए, आर्थिक स्तर पर जो फैसले लिए, गरीब कल्याण के जो फैसले लिए, उससे भारत को संभलकर आगे बढ़ने में बहुत मदद मिली है। भारत इससे बच पाया है इसलिए, क्योंकि हमारी नीतियां जमीन से जुड़ी रहीं। हमारे प्रयास निष्ठा और नीयत की पटरी पर अविरत आगे बढ़ते रहे।

श्री मोदी ने कहा कि जो युद्ध चल रहा है, उसका प्रभाव प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से दुनिया के हर देश पर पड़ रहा है। भारत शांति के पक्ष में है। बातचीत से हर समस्या को सुलझाने के पक्ष में है, जो देश सीधे जंग लड़ रहे हैं, भारत का उनसे आर्थिक, सुरक्षा, शिक्षा, राजनीतिक दृष्टि से नाता है। भारत की बहुत सारी जरूरतें इन देशों से जुड़ी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे राज्य ने अपनी दूरदृष्टि का परिचय दिया है। भारत के मतदाताओं ने जिस तरह इन चुनावों में स्थिर सरकारों के लिए वोट दिया, वह इस बात का प्रतीक है कि लोकतंत्र भारतीयों की रगों में है। भाइयों और बहनों आज इस अवसर पर मैं देश के सामने अपनी कुछ चिंताएं भी रखना चाहता हूं। देश के नागरिक राष्ट्र निर्माण में जुटे हैं, लेकिन हमारे यहां कुछ लोग लगातार राजनीति का स्तर गिराते जा रहे हैं। कोरोना के इस समय में भी हमने देखा है कि लोगों ने देशवासियों को गुमराह करने की लगातार कोशिश की है। वैक्सीनेशन के हमारे प्रयासों की दुनिया प्रशंसा कर रही है, लेकिन इस पवित्र और मानवता के कार्य पर और भारत की वैक्सीन पर भी सवाल उठाए गए। जब यूक्रेन में हजारों भारतीय छात्र और नागरिक फंसे हुए थे, तब भी देश का मनोबल तोड़ने की बातें हो रही थीं। जो वहां फंसे थे, उनकी चिंता बढ़ाने का काम हो रहा था। ये लोग उन बच्चों में असुरक्षा की भावना बढ़ा रहे थे। इन लोगों ने ऑपरेशन गंगा को भी प्रदेशवाद की बेड़ियों में बांधने की कोशिश की। हर योजना, हर काम को क्षेत्रवाद, प्रदेशवाद, जातिवाद का रंग देने का प्रयास भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि इन चुनावों में मैंने लगातार विकास की बात की है। गरीबों को घर, गरीबों को राशन, वैक्सीन, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर हर विषय पर भाजपा का विजन लोगों के सामने रखा है। मैंने जिस बात पर सबसे ज्यादा चिंता जताई थी, वो थी परिवारवाद। मैंने लोगों को बताया कि मैं परिवार के खिलाफ नहीं, किसी विशेष का विरोधी नहीं। कैसे परिवारवाद ने राज्य का कितना नुकसान किया है और राज्य को पीछे ले गए। इस बात को मतदाताओं ने समझते हुए भी इस चुनाव में अपना वोट दिया है। लोकतंत्र की ताकत को मजबूत किया है। जिन मुद्दों को उठा रहा हूं, उस पर बहस होना जरूरी है। एक न एक दिन ऐसा आएगा, जब भारत में परिवारवादी राजनीति का सूर्यास्त नागरिक करके रहेंगे। इस चुनाव में देश के मतदाताओं ने

अपनी सूझ-बूझ का परिचय दिखाते हुए, क्या होने वाला है, इसका इशारा कर दिया है।

श्री मोदी ने कहा कि आज मैं एक और विषय रखना चाहता हूं और वह है भ्रष्टाचार के खिलाफ एक्शन रोकने की साजिश। हमारे देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों में एक नफरत का भाव रहता है। देश की गाढ़ी कमाई लूटकर तिजोरी भरने की प्रवृत्ति कुछ लोगों की पहचान के साथ जुड़ गई है। आजकल एक जमात की एक प्रवृत्ति बन गई है कि पहले हजारों करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार करते हैं, फिर जांच भी नहीं होने देते, जांच हो तो उस पर दबाव बनाते हैं। ये लोग किसी भ्रष्टाचारी पर कार्रवाई होते ही उसे धर्म का रंग देते हैं, प्रदेश का रंग दे देते हैं, जाति का रंग दे देते हैं। ये नए तरीके शुरू हुए हैं। किसी माफिया के खिलाफ अदालत कोई फैसला सुना देती है तो भी ये लोग उसे धर्म से जोड़ देते हैं। मैं भारत के सभी संप्रदायों, जातियों पर गर्व करने वाले ईमानदारों से आग्रह करता हूं कि ऐसे भ्रष्टाचारियों, माफियाओं को अपने समाज, संप्रदाय और जाति से दूर करने की हिम्मत करें। इससे समाज भी मजबूत होगा, संप्रदाय भी मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि मैं बनारस का सांसद हूं। यूपी के लोगों के प्यार और आशीर्वाद से मुझे भी यूपी वाला बना दिया। बनारस का सांसद होने के नाते अनुभव से कह सकता हूं कि यूपी के लोग समझ चुके हैं कि जाति को बदनाम करने वालों से दूर रहना है और राज्य के विकास को ही सर्वोच्च प्राथमिकता देनी है।

उन्होंने कहा कि भारत आजादी के अमृतकाल में प्रवेश कर रहा है। ये चुनाव हमारे राष्ट्रीय संकल्पों को प्रतिबिंबित करते हैं। यहां से हम एकसाथ तेजी से काम करने वाले हैं। एक तरफ गांव, गरीब, छोटे किसानों के कल्याण पर हमारा जोर है, वहीं दूसरी ओर हम देश के संसाधनों, युवा शक्ति को नए अवसर देकर हम आत्मनिर्भरता के मिशन को तेज करना चाहते हैं। भारत का युवा आज तक अपने हुनर से, बुद्धि के बल से और क्षमता के उपयोग से दुनिया को समाधान दे रहा है। दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज टीकाकरण अभियान आज के भारत के सामर्थ्य का बड़ा उदाहरण है। आज भारत डिजिटल पेमेंट सिस्टम में आत्मनिर्भर हो रहा है। स्टार्टअप के क्षेत्र में अपना सामर्थ्य बढ़ा रहा है और तकनीक के क्षेत्र में नई उपलब्धियां प्राप्त कर रहा है। ये युवा शक्ति की वजह से हो रहा है। आज ऐसे नए भारत का निर्माण हो रहा है, जहां आपकी पहचान आपसे होती है। मुझे विश्वास है कि सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर चलते हुए हम अपने-अपने राज्यों को नई ऊंचाई पर लेकर जाएंगे। जब देश के हर राज्य का विकास होगा तो देश का भी विकास होगा। बड़े संकल्पों और इरादों के साथ देश को आगे बढ़ाना है।

श्री मोदी ने कहा कि इतनी बड़ी भव्य विजय भारत के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। मैं उज्ज्वल भविष्य के लिए निर्णायक मतदान करने वाले मतदाताओं का अभिनंदन करता हूं। ■

कार्यकर्ताओं ने मनाया जीत का जश्न

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत को लेकर पूरे उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर और देश के अन्य राज्यों के साथ-साथ नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में भव्य जश्न मनाया गया। चुनावी रुझानों के तुरंत बाद पार्टी की शानदार जीत का संकेत मिलने लगा था और इसको देखते हुए हर राज्य में भाजपा कार्यालयों और नई दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय के बाहर जश्न मनाते कार्यकर्ताओं को देखा गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस जश्न के दौरान एक-दूसरे को गुलाल लगाया और सभी का फूलों से स्वागत किया। नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में आयोजित समारोह में स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और अन्य सभी वरिष्ठ नेता शामिल हुए। प्रधानमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

इसी प्रकार लखनऊ में विभिन्न रंगों में नहाए हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया और 'यूपी में का बा? यूपी में बाबा बा' के नारे लगाकर जीत का जश्न मनाया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उत्तराखंड में भाजपा इतिहास रचकर सत्ता में वापस लौटी है, जिसका जश्न राजधानी देहरादून और राज्य के अन्य स्थानों पर मनाया गया। मणिपुर में जीत के बाद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपनी खुशी जाहिर करने के लिए पारंपरिक नृत्य किया और जीत का जश्न मनाया। ऐसे ही गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत और प्रदेश के अन्य वरिष्ठ नेतागण राजधानी पणजी में संपन्न हुए विजय समारोह में कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए। ■

जनता ने भाजपा सरकार की गरीब कल्याण नीतियों, कार्यक्रमों एवं उनके निर्णयों पर मुहर लगाई है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 10 मार्च, 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को मिली एकतरफा जीत के बाद पार्टी कार्यालय में प्रधानमंत्रीजी का स्वागत व अभिनंदन करने आये कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और प्रधानमंत्रीजी को जीत का महानायक बताते हुए चारों राज्य की महान जनता और परिश्रम की पराकाष्ठा करने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं को जीत का श्रेय दिया।

श्री नड्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के विधान सभा चुनाव के नतीजे एकतरफा भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में आये हैं। देश भर जारी भाजपा की विजय यात्रा के क्रम में आज इतनी बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता अपने लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत एवं अभिनंदन करने आये हैं। मैं आप सबकी ओर से, देश भर के करोड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से और मैं अपनी ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन करता हूं, उनका हृदय की गहराइयों से स्वागत करता हूं।

आज उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में जिस तरह से जनता ने एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत दिया है, यह दर्शाता है कि महान जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरीब कल्याण नीतियों, कार्यक्रमों एवं उनके निर्णयों पर मुहर लगाई है। भाजपा की ये प्रचंड विजय इस बात का द्योतक है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की राजनीति किस तरह आगे बढ़ रही है

उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में जिस तरह से जनता ने एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत दिया है, यह दर्शाता है कि महान जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरीब कल्याण नीतियों, कार्यक्रमों एवं उनके निर्णयों पर मुहर लगाई है। मैं सभी मतदाताओं का हार्दिक धन्यवाद करते हुए प्रधानमंत्री जी अभिनंदन करता हूं। भाजपा की ये प्रचंड विजय इस बात का द्योतक है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की राजनीति किस तरह आगे बढ़ रही है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की लगातार दूसरी बार ऐतिहासिक जीत पर बोलते हुए श्री नड्डा ने कहा कि यूपी में पहली बार लगातार चार

बार 2014 के लोक सभा चुनाव, 2017 के विधान सभा चुनाव, 2019 के लोक सभा चुनाव और आज 2022 के विधानसभा चुनाव के परिणाम में भाजपा को वहां की जनता ने अपना पूरा आशीर्वाद दिया है। यूपी में लगभग 37 साल बाद दोबारा किसी पार्टी की सरकार बनी है। हमारा वोट शेयर भी उत्तर प्रदेश में 39 प्रतिशत से बढ़ कर 42 प्रतिशत हुआ है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड बनने के बाद हर चुनाव में सरकार के बदलने का ट्रेंड रहा है, लेकिन हमने इस बार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड का चुनाव लड़ा और दोबारा लगभग दो-तिहाई बहुमत के साथ देवभूमि की जनता के आशीर्वाद से भाजपा की पुनः सरकार बन रही है। मणिपुर में पहली बार भारतीय जनता पार्टी अपने दम पर पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बना रही है। गोवा में हम जीत की हैट्रिक लगा रहे हैं। कल असम में नगर पालिका चुनाव के भी परिणाम आये जिसमें भाजपा ने 80 में से 77 सीटों पर जीत हासिल की। इतना ही नहीं, असम की एक विधान सभा सीट पर हुए उपचुनाव में भी भाजपा को बड़े मार्जिन से जीत प्राप्त हुई है। स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों एवं उनके कार्यक्रमों को समग्र राष्ट्र की जनता ने अपना पूरा समर्थन दिया है।

तथाकथित राजनीतिक पंडितों पर निशाना साधते हुए श्री नड्डा ने कहा कि चुनाव के दौरान एक बात बार-बार कही गई कि कुछ पार्टियां भाजपा के खिलाफ एकजुट हो गई हैं, इससे उनका वोट बैंक जुड़ जाएगा जिससे उनकी सीटें काफी बढ़ेंगी और भाजपा की जीत आसान नहीं होगी। मैंने बार-बार कहा कि नेताओं के जुड़ने से वोट नहीं मिलते क्योंकि चुनाव मैथेमेटिक्स का नहीं, केमिस्ट्री का विषय है। देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े, युवा एवं महिलायें आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपना जुड़ाव महसूस करती हैं, उनकी केमिस्ट्री प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ जुड़ती हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की राजनीति की संस्कृति को बदलकर रख दिया है। देश में लंबे समय तक एक तरह की राजनीति चल रही थी। वह राजनीति भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता, जातिवाद, परिवारवाद, क्षेत्रवाद पर केंद्रित थी। प्रधानमंत्रीजी ने देश के सियासी परिदृश्य को बदलते हुए विकासवाद और रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति को प्रतिष्ठित किया है। प्रधानमंत्रीजी ने गरीब कल्याण योजनाओं के माध्यम से देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े, युवा एवं महिलाओं का सशक्तीकरण करने का काम किया है।

> **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की राजनीति की संस्कृति को बदलकर रख दिया है। देश में लंबे समय तक एक तरह की राजनीति चल रही थी। वह राजनीति भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता, जातिवाद, परिवारवाद, क्षेत्रवाद पर केंद्रित थी। प्रधानमंत्रीजी ने देश के सियासी परिदृश्य को बदलते हुए विकासवाद और रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति को प्रतिष्ठित किया है**

श्री नड्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पांच साल पहले गुंडाराज, माफियाराज, भ्रष्टाचार और आतंकवाद का बोलबाला था, लेकिन भाजपा की डबल इंजन वाली योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश को भय मुक्त प्रदेश बनाया है। जो माफिया पहले दनदनाते घूमते रहते थे, वे आज जेल की हवा खा रहे हैं। जो भय का वातावरण बनाते थे, वे आज खुद भयभीत हैं।

उन्होंने कहा कि मणिपुर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक्ट ईस्ट पॉलिसी को लागू किया। उन्होंने विगत साढ़े सात वर्षों में लगभग 50 बार नॉर्थ-ईस्ट का दौरा किया है। इसका परिणाम मणिपुर में आज दिख रहा है। प्रधानमंत्रीजी ने काफी पहले ही कह दिया था कि अगला दशक उत्तराखंड का होगा। देवभूमि की महान जनता ने उनकी इस मुहिम को अपार समर्थन दिया है।

उन्होंने कहा कि आज भारत ने कोरोना के खिलाफ जो निर्णायक बढ़त हासिल की है, वह आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अथक प्रयासों से ही संभव हो पाया है। उन्होंने एक ओर वैक्सीन के माध्यम से 130 करोड़ देशवासियों को सुरक्षित किया तो दूसरी ओर उन्होंने स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाते हुए गरीब कल्याण योजनाओं के माध्यम से देश के हर नागरिक के दो वक्त की रोटी की भी चिंता की। कोरोना काल के बाद भारत में आर्थिक विकास की जो रफ़्तार तेज हुई है, उसे पूरी दुनिया ने सराहा है और आज भारत दुनिया की सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था है।

श्री नड्डा ने कहा कि चारों राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक विजयश्री के लिए मैं आज एक बार पुनः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को हार्दिक धन्यवाद देता हूं। अपने केंद्रीय नेताओं को साधुवाद देता हूं, चुनावी राज्यों के प्रदेश नेतृत्व को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

उन्होंने कहा कि अंत में पुनः अपने कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम को नमन करते हुए कहना चाहता हूं कि आपने परिश्रम की पराकाष्ठा की, अपनी पूरी ताकत लगाई। आपकी मेहनत रंग लाई और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आपकी ये मेहनत वोट में भी परिवर्तित हुई है। 2024 में हमें फिर से ऐतिहासिक विजय प्राप्त करनी है। मैं अपने कार्यकर्ताओं की राष्ट्रभक्ति को नमन करता हूं और आपका आह्वान करते हुए कहना चाहता हूं कि हम सबको मिलकर आगे बढ़ना है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को यशस्वी बनाना है। ■

नरेन्द्र मोदी जी के गरीब कल्याण में अडिग विश्वास की जीत

-अमित शाह
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

उत्तरप्रदेश में भाजपा की भव्य जीत प्रदेश के गांव, गरीब और किसानों की नरेन्द्र मोदी जी के गरीब कल्याण में अडिग विश्वास की जीत है। जनता ने योगी आदित्यनाथ जी के भय और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन पर अपनी मुहर लगाई है। इस प्रचंड जीत के लिए यूपी की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। 2014, 2017, 2019 और आज 2022 में निरंतर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अपना अटूट विश्वास प्रकट करने के लिए उत्तर प्रदेश की जनता को नमन करता हूं। भाजपा सरकार की उपलब्धियों और पार्टी के विचारों को घर-घर तक पहुंचाने वाले हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं, प्रदेश अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह और पूरी भाजपा उप्र इकाई को इस भव्य जीत की बधाई देता हूं। भाजपा, उत्तर प्रदेश की जनता की अपेक्षाओं व आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

गोवा की जनता का भाजपा में विश्वास प्रकट करने के लिए मैं उनका आभारी हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा, गोवा की बहनों और भाइयों की आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। डॉ. प्रमोद सावंत, सदानंद शेट तानावडे और हमारे कार्यकर्ताओं को बधाई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के समृद्ध उत्तर-पूर्व के संकल्प ने उन्हें उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान दिलाया है। मणिपुर की जीत उसी का परिणाम है। मुख्यमंत्री एन. बीरेंद्र सिंह जी, ए. शारदा देवी जी और हमारे कार्यकर्ताओं को बधाई।

भाजपा को पुनः सेवा का मौका देने के लिए उत्तराखंड की जनता का आभार। देवभूमि ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के विकास कार्यों और लोक-कल्याणकारी नीतियों पर अपना अटूट विश्वास जताया है। श्री पुष्कर धामी, श्री मदन कौशिक व भाजपा, उत्तराखंड के कार्यकर्ताओं को बधाई।

यह जीत समाज के सभी वर्गों के बीच भाजपा के प्रबल जनसमर्थन की प्रतीक है

-राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री

उत्तर प्रदेश में भाजपा की ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति जनविश्वास, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और टीम भाजपा, उप्र के सामूहिक प्रयास की जीत है। लगातार दूसरी बार बहुमत की सरकार बनाकर प्रदेश की जनता ने भाजपा के समावेशी विकास और सुशासन पर पुनः मुहर लगाई है। यह जीत समाज के सभी वर्गों के बीच भाजपा के प्रबल जनसमर्थन की प्रतीक है। इस भव्य और दिव्य विजय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को हार्दिक बधाई। इस विजय के लिए कार्यकर्ताओं का अभिनंदन और जनता के प्रति आभार!

उत्तराखंड विधानसभा में भाजपा की शानदार जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकासवादी और जनकल्याणकारी नीतियों की जीत है। प्रदेश की जनता ने जो विश्वास भाजपा के प्रति दिखाया है उसके लिए उन्हें धन्यवाद। उत्तराखंड विजय के लिए प्रधानमंत्री मोदीजी एवं पार्टी अध्यक्ष नड्डाजी को बहुत बधाई!

मणिपुर में भाजपा की जीत बेहद खास है। यह श्री प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एन. बीरेंद्र सिंह की सरकार की जन-समर्थक नीतियों में लोगों के अटूट विश्वास की पुष्टि करता है। मैं मणिपुर के लोगों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं और पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करता हूं।

मैं गोवा के लोगों को भाजपा के विकास एजेंडे में विश्वास प्रकट करने के लिए धन्यवाद देता हूं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी, मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत और गोवा भाजपा के सदस्यों को अभूतपूर्व जीत के लिए बधाई। यह जीत भाजपा को लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में और मदद करेगी।

नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में चहुंमुखी विकास पर जनता ने मुहर लगाई

-नितिन गडकरी
केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री

भाजपा को मिली भारी जीत के लिए मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, पार्टी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी, राज्यों के मुख्यमंत्री, पार्टी के सभी पदाधिकारियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं। इन सभी प्रदेशों में हमारे साथ रही जनता जनार्दन को कोटि-कोटि धन्यवाद!

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भय, भूख और आतंकवाद से मुक्त, सबको साथ लेकर हम और तेजी से विकास के हाईवे पर आगे बढ़ेंगे।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में चहुंमुखी विकास पर जनता ने मुहर लगाई है। हमारी डबल इंजन वाली सरकार लोगों की आशा और आकांक्षाओं पर खरी उतरी है, यह इन नतीजों ने साफ कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास कायम रखने वाली प्रदेश की जनता को कोटि-कोटि धन्यवाद! उत्तर प्रदेश में फिर एक बार भाजपा की सरकार बनना अपने आप में एक इतिहास है।

उत्तराखंड की जनता को इस जनादेश के लिए वंदन करता हूं। देवभूमि उत्तराखंड के लोगों ने एक बार फिर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा पर विश्वास जताया है। यह विकास की जीत है।

गोवा की जनता ने भारतीय जनता पार्टी की विकास उन्मुख सरकार को पुनः स्वीकार किया है। राज्य में बहुमत से प्राप्त हुई यह जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार पर विश्वास को दर्शाती है।

मणिपुर की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विकासोन्मुखी राजनीति को स्वीकार करते हुए भाजपा में अपना विश्वास प्रकट किया है।

लोकतंत्र, विकासवाद की राजनीति और सुशासन के लिए मतदाताओं ने अभूतपूर्व उत्साह और समर्थन दिखाया है। इसके लिए उनका हृदय से आभार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में और भी बड़े संकल्पों के साथ, देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए हम ऐसे ही बढ़ते जाएंगे।

-धर्मेन्द्र प्रधान, उत्तर प्रदेश चुनाव प्रभारी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार ने जनता के कल्याण के लिए जो योजनाएं चलाई थीं, उत्तराखंड में भाजपा की जीत उन्हीं का अनुमोदन है। केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों ने जिस तालमेल के साथ काम किया था, उससे प्रदेश में खूब विकास हुआ है।

-प्रह्लाद जोशी, उत्तराखंड प्रदेश चुनाव प्रभारी

भाजपा में विश्वास प्रकट करने के लिए मणिपुर के लोगों का आभारी हूं। मुख्यमंत्री श्री एन. बीरेंद्र सिंह जी, श्रीमती शारदा देवी जी और भाजपा कार्यकर्ता को बधाई। जनादेश साबित करता है कि पूर्वोत्तर के विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दृष्टि राज्य में जनमानस के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है।

-भूपेन्द्र यादव, मणिपुर प्रदेश चुनाव प्रभारी

गोवा ने फिर एक बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी पर विश्वास जताया, इसकी हमें बेहद ख़ुशी है! हमें बहुमत मिला है, लेकिन हम सबको साथ लेकर आगे बढ़ेंगे...

-देवेन्द्र फडणवीस
गोवा प्रदेश चुनाव प्रभारी

धन्यवाद, उत्तर प्रदेश के सभी सम्मानित मतदाता और पूरे प्रदेश की जनता का। आप सभी ने जाति-धर्म से ऊपर उठकर भाजपा के सुशासन और मोदी जी - योगी जी की गरीब कल्याण योजनाओं, विकास कार्यों में अपनी आस्था जताई और इतनी बड़ी जीत का सेहरा उत्तर प्रदेश के सरमाथे पर बांधा।

-अनुराग ठाकुर, उत्तर प्रदेश चुनाव सह प्रभारी ■

असम नगर निकाय चुनाव में भाजपा की शानदार जीत

राज्य चुनाव आयोग द्वारा 9 मार्च को घोषित चुनाव परिणामों के अनुसार भाजपा ने असम नगर निकाय चुनाव में 80 में से 75 निकायों पर शानदार जीत दर्ज की। भाजपा गठबंधन ने कुल 77 नगर निकायों पर जीत हासिल की। राज्य में प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस, केवल एक नगर निकाय जीतने में सफल रही, जबकि निर्दलीय समेत अन्य ने दो निकाय जीते। राज्य चुनाव आयोग के मुताबिक भाजपा ने 742 वार्ड और अपने सहयोगियों के साथ मिलकर कुल 807 पर जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस ने केवल 71 वार्ड जीते। अन्य उम्मीदवारों ने 99 वार्डों में जीत दर्ज की। भाजपा के 58 और कांग्रेस के एक उम्मीदवार सहित कुल 59 उम्मीदवारों ने निर्विरोध विजयी घोषित किया गया। असम में निकाय चुनावों के इतिहास में पहली बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से राज्य भर में 80 नगरपालिका बोर्डों के लिए मतदान हुआ। जिसमें अनुमानित 70 प्रतिशत मतदान हुआ है।

चुनाव परिणामों पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "हाल ही में संपन्न नगर निकाय चुनावों में भाजपा और हमारे सहयोगियों को आशीर्वाद देने के लिए असम की जनता का आभार।" "यह हमारी पार्टी के विकास के एजेंडे में उनके विश्वास को दर्शाता है। मैं अपने मेहनती कार्यकर्ताओं की सराहना करता हूं, जो लगातार जनता की सेवा कर रहे हैं।"

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने नगर निकाय चुनावों में जीत का श्रेय केंद्र की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' में लोगों के विश्वास को दिया और कहा, "असम के नगर निकाय चुनावों में भाजपा की भारी जीत से पता चलता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'एक्ट ईस्ट' पॉलिसी में जनता का विश्वास है। इस नीति का असम के लोगों ने स्वागत किया है।"

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने असम के लोगों, मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्व सरमा और असम भाजपा को बधाई और धन्यवाद देता हुए कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा की विकास की राजनीति में लोगों के 'अटूट विश्वास' को दर्शाती है।

असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि यह विशाल जनादेश विकास के लिए है और यह जनादेश पार्टी को नए उत्साह के साथ विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा। "मैं उन सभी प्रदेश भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को बधाई देता हूं जिन्होंने आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकास के ऐजेंडे को जनता तक पहुंचाने के लिए अथक प्रयास किये हैं। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट्स कर कहा, ''मैं इस प्रचंड जीत के लिए असम की जनता के समक्ष सिर झुकाता हूं।" ■

असम उपचुनाव में भाजपा की जीत

भाजपा ने माजुली (एसटी) विधानसभा पर फिर एक बार जीत हासिल की। भाजपा प्रत्याशी भुबन गम ने एजेपी के संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार चित्तरंजन बसुमतारी को 42,141 वोटों से हराया और 69.86 प्रतिशत मत हासिल किये। भाजपा प्रत्याशी को जहां 67,242 मत मिले, वहीं विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार को 25,101 मत प्राप्त हुए। ऐसे ही एसयूसीआई (सी) के भाटी रिचोंग को 2,265 वोट मिले और वह तीसरे स्थान पर रहे। इस उपचुनाव के नतीजे 10 मार्च को घोषित किए गए। कांग्रेस ने इस उपचुनाव के लिए अपना प्रत्याशी खड़ा नहीं किया था और यह सीट एजेपी के लिए छोड़ दी थी।

इस विधासभा सीट के लिए 7 मार्च को मतदान हुआ था। असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सत्तारूढ़ गठबंधन में विश्वास जताने के लिए माजुली द्वीप के लोगों को धन्यवाद दिया। श्री सरमा ने ट्वीट किया कि माजुली विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार भुबन गम की बड़ी जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकास के एजेंडे और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के उनके दृष्टिकोण में जनता के विश्वास को दर्शाती है। 126 सदस्यीय विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन के पास अब 79 विधायक हैं, जिसमें भाजपा के 63, अगप के नौ और यूपीपीएल के सात हैं। वहीं, विपक्षी दल कांग्रेस के 27, एआईयूडीएफ के 15, बीपीएफ के तीन, माकपा के एक और एक निर्दलीय सदस्य हैं। ■

जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक बदलाव साफ नजर आता है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे आने वाले दिनों में केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में होने वाले पहले विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहें। श्री नड्डा ने 07 मार्च, 2022 को जम्मू और कश्मीर के अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान जम्मू और कश्मीर के भाजपा नेताओं से मुलाकात की और अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण एवं जम्मू और कश्मीर और लद्दाख केंद्रशासित प्रदेशों (यूटी) के गठन के बाद की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। जम्मू हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान श्री नड्डा ने माता वैष्णो देवी तीर्थ का दौरा किया।

श्री नड्डा ने एक ट्वीट में कहा, "जम्मू पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और जम्मू के आम लोगों द्वारा किए गए भव्य स्वागत से अभिभूत हूं। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक बदलाव साफ नजर आता है।"

भाजपा कार्यकर्ता कभी आराम नहीं करता और पूरे वर्ष जनता की सेवा करता है

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश के नेताओं और कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनावों के लिए तैयार रहने को कहा है, जो केंद्रशासित प्रदेश में परिसीमन प्रक्रिया के पूरा होने के बाद होने की संभावना है। श्री नड्डा ने कहा, ''अपने जनसंपर्क कार्यक्रमों को बढ़ाएं और जनता को जम्मू-कश्मीर के कल्याण के लिए मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बारे में सूचित करें। एक भाजपा कार्यकर्ता कभी आराम नहीं करता है और पूरे वर्ष जनता की सेवा करता है। हमें जनता के निरंतर संपर्क में रहना होगा। यह एक ऐसा काम जिसे निरंतर किया जाना चाहिए और इसके लिए केवल चुनावों की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए। श्री नड्डा ने भाजपा नेताओं से कहा कि वे हर पखवाड़े ऐसी बैठकें करें ताकि राजनीतिक स्थिति और पार्टी मामलों पर विस्तार से चर्चा की जा सके। मीडिया को संबोधित करते हुए भाजपा नेताओं ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा की यात्रा ने कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार कर दिया है और अब उनके परामर्श के अनुसार पार्टी पूरे केंद्रशासित प्रदेश में अपनी गतिविधियों को बढ़ाएगी। हम हमेशा चुनावी मोड में रहते हैं। जब भी घोषणा की जाएगी हम चुनाव के लिए तैयार हैं। हमारे बूथ स्तर तक के नेता और कार्यकर्ता सभी सक्रिय हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर में मत्था टेका

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कटरा, जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी तीर्थ का दौरा किया। इस अवसर पर श्री नड्डा के साथ भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और जम्मू-कश्मीर के प्रभारी श्री तरुण चुग, राष्ट्रीय महामंत्री श्री विनोद तावड़े, केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष श्री रविंदर रैना और पार्टी के अन्य नेता भी उपस्थित रहे। ■

त्रिपुरा की भाजपा सरकार के चार सफल वर्ष पूर्ण

चार वर्षों में हमारी डबल इंजन वाली सरकार ने त्रिपुरा को संवारने का कार्य किया है : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 08 मार्च, 2022 को अगरतला (त्रिपुरा) में त्रिपुरा की भारतीय जनता पार्टी सरकार के चार सफल वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की भाजपा सरकार द्वारा जारी विकास यात्रा की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। इससे पहले त्रिपुरा पहुंचने पर श्री शाह ने सर्वप्रथम मां त्रिपुर सुंदरी का दर्शन कर उनसे त्रिपुरा और भारतवर्ष के कल्याण का आशीर्वाद मांगा।

श्री शाह ने कहा कि इस वर्ष आजादी के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। देश आजादी का अमृतकाल मना रहा है। त्रिपुरा के बने भी 50 साल पूरे हो गए। चार वर्ष पहले तक त्रिपुरा में वामपंथी शासन रहा। इस दौरान राज्य की जनता त्राहिमाम कर रही थी। प्रशासन पर भी वामपंथी कैडर का पूर्णतया नियंत्रण था। वामपंथ के राजतंत्र पर तस्करी की परछाई पड़ी हुई थी। आदिवासी भाई-बहन सरकार से कटा हुआ महसूस करते रहे थे। महिलायें असुरक्षित थीं, पत्रकार अपने आप को असहाय महसूस कर रहे थे। 25 सालों तक वामपंथियों ने त्रिपुरा में शासन किया लेकिन उन्होंने गरीबों, महिलाओं, आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों के सशक्तिकरण के लिए कुछ भी नहीं किया। त्रिपुरा में वामपंथी शासन में भाजपा के 39 से अधिक कार्यकर्ताओं की निर्मम हत्या कर दी गई। ऐसी विषम परिस्थिति में भाजपा ने तय किया कि वे त्रिपुरा में लोगों को एक विकल्प देने के लिए राजनैतिक आंदोलन खड़ा करेंगे और 'चलो पलटाई' के नारे के साथ हम चुनाव में गए। त्रिपुरा की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में जारी विकास यात्रा का सहभागी बनने का निर्णय लिया और उन्होंने पूर्ण बहुमत से त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का गठन किया।

श्री शाह ने कहा कि जब भाजपा ने त्रिपुरा में 'चलो पलटाई' का नारा दिया था, तब त्रिपुरा ड्रग्स और नशे के कारोबार से त्रस्त था लेकिन पिछले चार वर्षों में प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार में त्रिपुरा आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज त्रिपुरा कारोबार का नया हब बन कर उभर रहा है। राज्य में रेलमार्गों का निर्माण हो रहा है, हाइवे बन रहे हैं और एयर कनेक्टिविटी भी अच्छी हो रही है। आजादी के 70 सालों बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों को घर मिल रहा है, घरों में बिजली, पानी, शौचालय, गैस का कनेक्शन और आयुष्मान कार्ड पहुंचा है। मुख्यमंत्री श्री बिप्लब कुमार देबजी प्रधानमंत्रीजी की गरीब कल्याण योजनाओं को सही तरीके से घर-घर तक पहुंचा रहे हैं। हमारे युवा मुख्यमंत्री बिप्लब देबजी ने त्रिपुरा की आनेवाली पीढ़ियों को नशा मुक्त बनाने के लिए नशा मुक्त त्रिपुरा का अभियान चलाया है।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना और कोविड वैक्सीनेशन में भी त्रिपुरा जैसे छोटे राज्य का सबसे अधिक ध्यान रखा है। अब त्रिपुरा में घर-घर टीका पहुंच रहा है। इस कारण कोविड की तीसरी लहर में राज्य की जनता बची रही। यदि इस विकट परिस्थिति में कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार होती तो टीकाकरण में भी दिक्कत होती। कोरोना काल में पिछले दो वर्षों से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश के लगभग 80 करोड़ लोगों तक मुफ्त राशन उपलब्ध करा रहे हैं। इसका बहुत अधिक फायदा त्रिपुरा को हुआ है, हमारे आदिवासी भाइयों को हुआ है।

श्री शाह ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने त्रिपुरा में रेल एवं सड़क मार्ग के निर्माण के लिए दर्जनों परियोजनाएं शुरू की हैं। आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है। अभी थोड़ी ही देर में महिलाओं के सशक्तिकरण का अभियान यहां शुरू होने वाला है। त्रिपुरा की भाजपा सरकार, प्रशासन में महिलाओं को नौकरी में 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था करने जा रही है। लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से युवाओं के लिए नेशनल फॉरेंसिक साइंस परिसर का शिलान्यास भी होने वाला है। मुख्यमंत्री श्रमिक कल्याण योजना की शुरुआत भी चाय बगान से होने जा रही है। ये कार्य त्रिपुरा में विकास को एक नया आयाम देंगे।

श्री शाह ने कहा कि त्रिपुरा के विकास में महाराजा वीर विक्रम किशोर माणिक्यजी के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। त्रिपुरा आज यदि भारत के साथ अभिन्न अंग के रूप में जुड़ा हुआ है तो इसका प्रमुख कारण महाराजा वीर विक्रम किशोर माणिक्यजी हैं। उन्होंने त्रिपुरा में कई सारी चीजें बनाई। कम्युनिस्टों ने राजा साहब को भुलाने का काम किया है। हमारी सरकार ने अगरतला में एयरपोर्ट का नाम बदलकर महाराजा वीर विक्रम किशोर माणिक्य एयरपोर्ट कर दिया है। यह एकता का संदेश है।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में पूरे

पूर्वोत्तर में विकास की एक नई लहर चली है। पहले पूर्वोत्तर के राज्य उग्रवाद, घुसपैठ, बंद, ब्लॉकेड, ड्रग तस्करी, भ्रष्टाचार और जातीय तनाव की समस्या से आये दिन जूझते रहते थे, लेकिन प्रधानमंत्रीजी ने पूरे नॉर्थ-ईस्ट को अष्टलक्ष्मी का स्वरूप देकर इसे विकास, कनेक्टिविटी, आधारभूत संरचना का विकास, आईटी, औद्योगिक विकास, स्पोर्ट्स, निवेश और जैविक खेती का बड़ा हब बनाया है।

श्री शाह ने कहा कि त्रिपुरा में शांति स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई सारे प्रयास किये गए हैं। एनएलएफटी समझौते के तहत एनएलएफटी के सभी कैडर हथियार डालकर समाज के उत्थान के लिए विकास की मुख्यधारा में शामिल हुए हैं। वर्षों पुराने ब्रू-रियांग समस्या का स्थायी निदान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। ब्रू-रियांग समझौते से बगैर घर के रह रहे लगभग 37,000 भाइयों को त्रिपुरा में बसाया जा रहा है। आज उन्हें रहने के लिए घर और खाने के लिए भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। अब उनकी शिक्षा और रोजगार के लिए काम हो रहा है। अगले पांच वर्षों में ब्रू-रियांग भाइयों को शिक्षा देकर रोजगार देने का कार्य किया जाएगा।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन की भाजपा सरकार के कारण त्रिपुरा की प्रति व्यक्ति आय चार सालों में ही 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.30 लाख रुपये तक पहुंच गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयासों एवं डबल इंजन वाली राज्य की भाजपा सरकार के सहयोग से त्रिपुरा में चार वर्षों में ही किसानों की आय लगभग दोगुनी हो गई है। यह औसतन 6,500 रुपये प्रति महीने से बढ़कर 11,000 रुपये प्रति माह तक पहुंच गई है।

श्री शाह ने कहा कि मैं त्रिपुरा की महान जनता से अपील करता हूं कि आपने भारतीय जनता पार्टी को पांच साल सेवा करने का अवसर दिया। चार वर्षों में हमारी डबल इंजन वाली सरकार ने त्रिपुरा को संवारने का कार्य किया है। आप पांच साल के बाद आप एक और कार्यकाल का अवसर भाजपा को दीजिये, हम त्रिपुरा को पूरे देश में नंबर वन बनाने के लिए कार्य करेंगे। ■

भाजपा सरकार में महिला सशक्तीकरण को बल मिल रहा है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 08 मार्च 2022 को देवास, मध्य प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित स्वयं सहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज का वितरण और पोषण आहार संयंत्र के हस्तांतरण कार्यक्रम को संबोधित किया और महिला सशक्तीकरण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किये गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा करते हुए मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा मातृशक्ति के कल्याण के लिए किये गए कार्यों की भी सराहना की। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष श्री बी.डी. शर्मा और देवास की जिला प्रभारी श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया भी उपस्थित थीं। श्री नड्डा ने महिला स्वयं सहायता समूहों को 300 करोड़ रुपये क्रेडिट लिंकेज का वितरण किया और पोषण आहार संयत्र का हस्तांतरण किया।

श्री नड्डा ने सर्वप्रथम कार्यक्रम में आमंत्रित महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने के बाद महिलायें आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रही है। पहले पौष्टिक आहारों का जो वितरण ठेकेदारों के जरिये होता था, उसे भाजपा की श्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से कराने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से एक साल में स्वयं सहायता समूह लगभग 800 करोड़ रुपये का उत्पाद बनायेंगी। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम के माध्यम से मध्य प्रदेश की श्री शिवराज सिंह सरकार ने लगभग 2000 सेल्फ हेल्प गुप्स को 200 करोड़ रुपये की राशि देकर 15 लाख बहनों का आर्थिक सशक्तीकरण किया है। अगले तीन वर्षों में और लगभग 25 लाख बहनें स्वयं सहायता समूहों में जोड़ी जायेंगी। यह भी लक्ष्य रखा गया है कि इन स्वयं सहायता समूहों को बैंक के माध्यम से लगभग 2,525 करोड़ रुपये तक का लोन मिनिमम इंटरेस्ट पर उपलब्ध कराया जाएगा। ■

यूक्रेन से भारतवासियों की सकुशल घर वापसी प्रधानमंत्री मोदीजी के अथक प्रयासों का परिणाम : भाजपा

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल और श्री अनुराग ठाकुर ने 9 मार्च, 2022 को नई दिल्ली स्थित भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित किया और ऑपरेशन गंगा पर विस्तार से चर्चा करते हुए भीषण संकट की घड़ी में यूक्रेन से हर भारतवासी की सकुशल घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयासों की भरपूर सराहना की और कांग्रेस पार्टी एवं उनके सहयोगी दलों पर नकारात्मक राजनीति का आरोप लगाते हुए जोरदार हमला बोला।

प्रेस वार्ता की प्रमुख बातें

- भारत जैसा कोई देश नहीं है जिसने भीषण युद्ध की आग में जल रहे अपने नागरिकों को स्वदेश वापस लाने में इतनी गंभीरता दिखाई। आजादी के बाद पहली बार देश के नागरिकों के मन में ये विश्वास पैदा हुआ है कि चाहे वे किसी भी देश में हों, किसी भी संकट में फंसे हों लेकिन भारत सरकार और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हमें संकट से जरूर निकाल लेंगे।
- केवल तीन हफ्ते में भीषण युद्ध के बीच में यूक्रेन से लगभग 20,000 भारतीयों की सकुशल वतन वापसी हम सभी देशवासियों के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विगत साढ़े सात वर्षों में पूरे विश्व में देश की जो साख बनाई है, उसका पूरा लाभ भारत को लगातार मिल रहा है। हमें गर्व है कि आपरेशन गंगा के तहत सभी भारतीय छात्रों को पूर्वी यूक्रेन से बाहर निकाल लिया गया है। छात्रों का आखिरी बैच भी युद्धग्रस्त सुमी क्षेत्र से पश्चिमी यूक्रेन की तरफ होते हुए यूक्रेन बॉर्डर तक बढ़ गया है और जल्द ही दूसरे देशों से होते हुए सभी छात्र भारत पहुंच जाएंगे।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस विषय को खुद गंभीरता से लिया। उन्होंने इस विषय पर 8 हाई लेवल मीटिंग की। हर बैठक के बाद कठोर कदम उठाए जाते थे कि कैसे एक-एक नागरिक को भारत वापस लाया जाए। प्रधानमंत्रीजी ने करीब 11 बार दुनिया के बड़े-बड़े नेताओं से बात की। तीन बार रूस के राष्ट्रपति पुतिन से और दो बार यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंसकी से भी बात की।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सरकार के हर तंत्र को, एनजीओ को, समाज के अलग-अलग लोगों को इस काम में लगाया था ताकि हमारे नागरिक सुरक्षित वापस आ सकें। भारत से जुड़े हुए जो लोग यूक्रेन और अन्य आसपास के देशों में रहते हैं, उद्योग और एनजीओ के योगदान और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अथक प्रयासों से ही उनका सफल इवैकुएशन हो पाया। मैं इस कार्य में शामिल उन सभी संस्थाओं और कर्मचारियों को धन्यवाद देना चाहता हूं।
- इतने संकट और इतनी समस्याओं के बीच जिस प्रकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे अभियान का नेतृत्व किया, ऐसा कोई अन्य उदाहरण नहीं है। प्रधानमंत्रीजी ने अपने चार वरिष्ठ मंत्रियों को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भेजा, उन्होंने वहां के राष्ट्र प्रमुखों से बात की, जिस कारण हर संभव सहयोग भी हमें उन देशों से मिला। सिविल एविएशन और भारतीय वायुसेना के विमानों को भेजकर हमने यूक्रेन में फंसे लोगों को वापस लाने का काम किया है।
- यूक्रेन से अपने लोगों को निकालने के लिए कई देश विफल रहे हैं, जबकि भारत ने पड़ोसी देशों के रास्ते से अपने लोगों को वहां से सकुशल निकाला है। इतना ही नहीं, लोग वहां से अपने पालतू जानवरों को भी अपने साथ लेकर आने में सफल हुए हैं। हमने नेपाल, पाकिस्तान और बांग्लादेश के भी नागरिकों को निकालने में मदद की है जो हमारे लिए निस्संदेह गर्व की बात है।
- रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान तिरंगे की अहमियत पूरी दुनिया ने देखी। सकुशल यूक्रेन से वापस आये छात्रों ने भी बताया है कि किस तरह तिरंगे के कारण दूसरे देशों के नागरिक भी वहां से निकल पाए।
- विपक्षी दलों को इस मुश्किल वक्त में यूक्रेन में फंसे लोगों के परिवारों से मिलना चाहिए था, उनका हौसला बढ़ाना चाहिए था और उनकी मदद करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय वे गुमराह करने का काम कर रहे थे। कांग्रेस पार्टी ने यूक्रेन से भारतीयों की निकासी के काम में भी राजनीति करने की कोशिश की। जब किसी परिवार पर संकट आता है तो लोग आपसी विवादों को छोड़कर उस संकट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन से लौटे छात्र-छात्राओं से की मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तीन मार्च को युद्धग्रस्त यूक्रेन से लौटे छात्र-छात्राओं से मुलाकात की। वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे पर छात्रों से मुलाकात के दौरान श्री मोदी ने उनके दुःखद अनुभवों को सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि यूक्रेन में फंसे उनके बाकी दोस्तों को जल्द ही वापस लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं महसूस करता हूं कि इतनी कम उम्र में आप किस मानसिक स्थिति से गुज़रे हैं। आपकी पीड़ा शब्दों और कल्पना से परे है।

श्री मोदी ने कहा कि संघर्षग्रस्त देश में सभी प्रतिकूलताओं के बावजूद भारत सरकार बचे छात्रों को सुरक्षित निकालने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। प्रतिकूल परिस्थितियों में भी 'ऑपरेशन गंगा' के तहत निकालने का कार्य जारी है। सभी भारतीयों को सुरक्षित देश वापस लाया जाएगा।

विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़नेवाले छात्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उनकी बातें सुनी और उनसे सहानुभूति जताई। छात्रों ने श्री नरेन्द्र मोदी और भारत सरकार को उनकी मदद और सुरक्षित निकासी के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने हमें आश्वासन दिया कि बाकी भारतीय छात्रों को वापस लाने के प्रयास तेज किए जाएंगे।

तिरंगे की ताकत

विदेश में तिरंगे की ताकत क्या है, यह युद्धग्रस्त यूक्रेन से लौटे छात्रों की बातों से पता चला। छात्रों ने साझा किया कि कैसे उन्होंने तिरंगे की ताकत का अनुभव किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार यूक्रेन के सुरक्षा बलों ने उनकी मदद की और यहां तक कि पाकिस्तान, तुर्की, नाइजीरिया और कई अन्य देशों के छात्रों ने भी अपनी बसों पर भारतीय ध्वज फहराया, ताकि वे पोलैंड, हंगरी, रोमानिया और अन्य देशों की सीमाओं तक सुरक्षित पहुंच सकें।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार पहले ही अपने चार केंद्रीय मंत्रियों को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भारत के 'विशेष दूत' के रूप में निकासी प्रयासों के समन्वय के लिए भेज चुकी है।

से निपटने में लग जाते हैं लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने इस दौरान भी गलत जानकारियां फैलाई।

- भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने यूक्रेन में फंसे 18.5 हजार छात्रों के परिवारों से संपर्क किया। इसके लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं की लगभग 2,000 टीमें बनाई गई। इस टीम ने अलग-अलग यूक्रेन में फंसे छात्रों और नागरिकों के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की, उनका ढाढ़स बढ़ाया, केंद्र सरकार की ओर से किये जा रहे प्रयासों के बारे में बताया और केंद्र सरकार को उन परिवार की समस्याओं से अवगत कराया।
- तहसीलदार से लेकर कलेक्टर तक सरकारी अधिकारी भी परिवारों से मिले और उनकी समस्याएं समझीं। ये एक ऐतिहासिक कार्य था जहां सरकार ने अपनी ओर से कार्य किया और भारतीय जनता पार्टी ने भी अपने स्तर पर देशहित में कार्य किया।
- संकट की इस घड़ी में जब कांग्रेस पार्टी देश का हौसला बढ़ा सकती थी, केंद्र सरकार के साथ खड़े होकर मदद कर सकती थी, तब केरल कांग्रेस के ट्विटर हैंडल से आपत्तिजनक और गलत पोस्ट शेयर किए गए। जम्मू-कश्मीर के एक छात्र राशिद रिजवान का रोता हुआ वीडियो भी कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर 2 मार्च को शेयर किया, जबकि उस वक्त उस छात्र का रेस्क्यू भी हो चुका था और वह छात्र श्री नरेन्द्र मोदी सरकार को धन्यवाद ज्ञापित कर रहा था।
- जब भारत को रूस और यूक्रेन, दोनों की सहायता चाहिए थी, तब कांग्रेस के कुछ प्रमुख नेता रूस के खिलाफ बयान दे रहे थे। ये एक तरह से निकासी कार्य पर संकट पहुंचाने वाले बयान थे। राहुल गांधी तो इमरान खान को उद्धरित करते हुए ट्वीट कर रहे थे। इससे अधिक दुर्भाग्य की बात और क्या हो सकती है? इमरान खान की बातों को अगर राहुल गांधी शेयर करेंगे तो यह बहुत शर्म की बात है। यह चिंता वाली बात है कि कांग्रेस और इसके सहयोगी दल ऐसे संकट के समय में भी राजनीति को ज्यादा अहमियत देते हैं।
- कांग्रेस के नेता यूक्रेन में भारतीय दूतावास को लगातार फोन कर दूतावास की लाइन ब्लॉक कर रहे थे। तमिलनाडु की सरकार ने कहा कि वह अपने सांसदों का शिष्टमंडल यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भेजना चाहती थी। अब हमारा दूतावास यूक्रेन में फंसे हमारे नागरिकों की चिंता करता या इन नेताओं की आवभगत में लगता! जबकि हमारे चार मंत्री भी यूक्रेन के पड़ोसी देशों रोमानिया, पोलैंड, स्लोवाकिया, हंगरी और माल्डोवा में काम कर रहे थे। एक दक्षिणी राज्य ने तो यह डिमांड कर दी कि हमारे राज्य के बच्चों को इवैकुएशन में प्रायोरिटी दी जाए। इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति नहीं हो सकती। ■

फरवरी, 2022 में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,33,026 करोड़ रुपये रहा

पांचवीं बार जीएसटी संग्रह 1.30 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। फरवरी, 2022 के दौरान राजस्व संग्रह पिछले साल के इसी महीने के जीएसटी राजस्व से 18 प्रतिशत अधिक और फरवरी, 2020 के जीएसटी राजस्व से 26 प्रतिशत अधिक है

फरवरी, 2022 के महीने में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,33,026 करोड़ रुपये रहा, जिसमें सीजीएसटी 24,435 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 30,779 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 67,471 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर संग्रह किए गए 33,837 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 10,340 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर संग्रह किए गए 638 करोड़ रुपये सहित) शामिल हैं।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से 26,347 करोड़ रुपये का सीजीएसटी और 21,909 करोड़ रुपये का एसजीएसटी में निपटान किया है। फरवरी, 2022 के महीने में नियमित निपटान के बाद केन्द्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 50,782 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 52,688 करोड़ रुपये रहा।

फरवरी, 2022 के महीने के लिए राजस्व पिछले साल के इसी महीने में संग्रह किए गए जीएसटी राजस्व से 18 प्रतिशत और फरवरी, 2020 में जीएसटी राजस्व से 26 प्रतिशत अधिक है। इस मास के दौरान वस्तुओं के आयात से प्राप्त राजस्व 38 प्रतिशत अधिक रहा और घरेलू लेन-देन से प्राप्त राजस्व (सेवाओं के आयात सहित) पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है।

28 दिनों का महीना होने के कारण फरवरी में आम तौर पर जनवरी की तुलना में कम राजस्व प्राप्त होता है। फरवरी, 2022 के दौरान इस अधिक वृद्धि को आंशिक लॉकडाउन, सप्ताहांत और रात के कर्फ्यू एवं ओमिक्रॉन लहर के कारण विभिन्न राज्यों द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रतिबंधों के संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए, जो 20 जनवरी के आसपास चरम सीमा पर थे।

ऐसा पांचवीं बार हुआ है जब जीएसटी संग्रह 1.30 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया है। जीएसटी लागू होने के बाद से पहली बार जीएसटी उपकर संग्रह 10,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया है, जो कुछ प्रमुख क्षेत्रों, विशेष रूप से ऑटोमोबाइल बिक्री में रिकवरी होने का सूचक है। ■

भारत में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना को मिली स्वीकृति

यह दुनिया भर में पारंपरिक चिकित्सा के लिए प्रथम और एकमात्र आउटपोस्टिड वैश्विक केंद्र (कार्यालय) होगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नौ मार्च को भारत सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बीच एक मेजबान देश समझौते पर हस्ताक्षर के साथ गुजरात के जामनगर में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (डब्ल्यूएचओ जीसीटीएम) की स्थापना को स्वीकृति दे दी।

आयुष मंत्रालय के तहत जामनगर में डब्ल्यूएचओ जीसीटीएम की स्थापना की जाएगी। यह दुनिया भर में पारंपरिक चिकित्सा के लिए प्रथम और एकमात्र आउटपोस्टिड वैश्विक केंद्र (कार्यालय) होगा।

प्रमुख लाभ

- आयुष प्रणालियों को दुनिया भर में स्थापित करना।
- पारंपरिक चिकित्सा से संबंधित वैश्विक स्वास्थ्य मामलों में नेतृत्व प्रदान करना।
- पारंपरिक चिकित्सा की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता, पहुंच और तर्कसंगत उपयोग को सुनिश्चित करना।
- डेटा अंडरटेकिंग एनालिटिक्स एकत्र करने और प्रभाव का आकलन करने के लिए प्रासंगिक तकनीकी क्षेत्रों, उपकरणों और कार्यप्रणाली में मानदंड, मानक और दिशानिर्देश विकसित करना। मौजूदा टीएम डेटा बैंकों, आभासी पुस्तकालयों और शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से डब्ल्यूएचओ टीएम सूचना विज्ञान केंद्र की अवधारणा को सुनिश्चित करना।
- उद्देश्यों के लिए प्रासंगिकता के क्षेत्रों में विशिष्ट क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करना और परिसर, आवासीय, या वेब-आधारित और डब्ल्यूएचओ अकादमी और अन्य रणनीतिक भागीदारों के साथ साझेदारी के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अदनोम घेबेरियस ने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में 13 नवंबर, 2020 को 5वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर भारत में डब्ल्यूएचओ जीसीटीएम की स्थापना की घोषणा की थी। श्री मोदी ने डब्ल्यूएचओ की इस पहल की प्रशंसा करते हुए उल्लेख किया कि डब्ल्यूएचओ जीसीटीएम पारंपरिक चिकित्सा के लिए वैश्विक कल्याण, साक्ष्य-आधारित अनुसंधान, प्रशिक्षण और जागरूकता के केंद्र के रूप में उभरेगा। ■

सिद्धांत और नीतियां

पं. दीनदयाल उपाध्याय

जनवरी, 1965 में विजयवाड़ा में जनसंघ के बारहवें सार्वदेशिक अधिवेशन में स्वीकृत दस्तावेज

(गतांक से...)

श्रम-नीति

श्रम की प्रतिष्ठा मानव-मूल्यों की प्रतिष्ठा है। श्रमिक को संगठित और सामूहिक रूप से पारिश्रमिक निश्चित कराने का अधिकार है। उसके हड़ताल के अधिकार को जनसंघ स्वीकार करता है, किंतु उसका उपयोग अंतिम शस्त्र के रूप में ही करना चाहिए। इस अधिकार के उपयोग की आवश्यकता न पड़े, इस हेतु शासन को परामर्श, समझौता वार्त्ता, साधारण पंचनिर्णय, अधिनिर्णय आदि के योग्य एवं प्रभावी तंत्र का निर्माण करना चाहिए।

भारतीय जनसंघ श्रमिक और मालिक में कोई स्थायी हित संघर्ष नहीं मानता। श्रमिक भी वास्तव में श्रम की पूंजी लगाता है। प्रबंध और लाभ में उसके साझे की व्यवस्था होनी चाहिए।

वेतन-मंडल

यद्यपि वेतन और अन्य परिलाभ सामूहिक सौदे से तय करने का श्रमिक को अधिकार है, फिर भी औद्योगिक विवादों को बचाने तथा असंगठित वर्गों के हितों की रक्षा करने के लिए आवश्यक है कि समय-समय पर वेतन आदि की दरें निश्चित करने की व्यवस्था हो। इस दृष्टि से एक स्थायी वेतन-मंडल होना चाहिए, जो समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों में मूल्य-स्तर, राष्ट्रीय जीवन स्तर की न्यूनतम आवश्यकताओं, उद्योग विशेष की आर्थिक स्थिति तथा सामाजिक लक्ष्यों को ध्यान में रखकर वेतन दरें निश्चित करे।

भारतीय जनसंघ समान काम के लिए समान मजदूरी के सिद्धांत को स्वीकार करता है।

वेतन नीति

भारतीय जनसंध राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन दर निश्चित करना आवश्यक समझता है। जीवन निर्देशांक के अनुरूप संपूर्ण परिलाभ की मात्रा ही वास्तविक वेतन स्तर है। राष्ट्रीय-समृद्धि का परिणाम अधिक के जीवन-वेतन में परिलक्षित होना चाहिए। समवितरण के इस स्तर के उपरांत ही 'बोनस' को लाभ में साझेदारी समझा जाएगा।

पूंजी निर्माण

आर्थिक विकास के लिए पूंजी निर्माण आवश्यक है। बचत और विनियोजन की प्रवृत्ति को बढ़ाने की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। समाज में संयम एवं मितव्ययिता का भाव आवश्यक है। उपभोग में शानशौकत तथा विलासिता पर रोक लगाने के लिए व्यय योग्य आय की अधिकतम सीमा निश्चित होनी चाहिए। शासन को भी इस विषय में आदर्श उपस्थित करना चाहिए।

अधिकोषण की अच्छी व्यवस्था और उसका विस्तार वित्त संचय के लिए सहायक ही नहीं, आवश्यक भी है। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक खोलने की ओर विशेष ध्यान देना होगा। सहकारी बैंक उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं, किंतु गांव में ऋण और साख के अन्य संस्थान न होने के कारण वे ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर पाते। गांवों में बचत बढ़ाने और उनके वित्तीय साधनों को विनियोजन हेतु जुटाने की ओर उनका विशेष ध्यान नहीं है।

बैंकों का राष्ट्रीयकरण आर्थिक लक्ष्यों के प्रतिकूल है। इससे पूंजी निर्माण में बाधा उत्पन्न हो जाएगी। राष्ट्रीयकरण से पूंजी बढ़ती नहीं, केवल प्रबंध और स्वामित्व बदल जाता है। अधिकोषण का एकाधिपत्य अपने हाथों में न लेते हुए, राज्य आवश्यकतानुसार अधिकोषण संस्थान चला सकता है। अभी तक बैंक मुख्यतः व्यापार की आवश्यकताएं पूरी करते रहे हैं। वे उद्योग और कृषि की पूंजी संबंधी मांगों की भी पूर्ति कर सकें, इसकी व्यवस्था करनी चाहिए। अधिकोषण के नियमन के संबंध में भी शासन एवं रिजर्व बैंक को पूर्ण जागरूक रहना चाहिए।

विदेशी पूंजी

अंदर की पूंजी की कमी कुछ अंशों में विदेशी पूंजी से पूरी की जा सकती है। किंतु उसका एक सीमित उपयोग ही है। अनेक देशों का अनुभव यही बताता है कि विदेशी पूंजी के रूप में जितना आयात होता है, उससे कई गुना अधिक लाभ, ब्याज, मूलधन आदि के रूप में निर्यात होता है। प्रौद्योगिक कारणों से भी, जिनका ऊपर उल्लेख किया गया है, विदेशी पूंजी बहुत उपयोगी नहीं होगी। केवल ऐसे क्षेत्रों में, जहां विदेशी प्रौद्योगिकी उपयोगी और आवश्यक है, हम विदेशी पूंजी

का उपयोग कर सकते हैं। सामान्यतः हमें इस मोह से बचना चाहिए।

कराधान

वित्त और मौद्रिक नीतियां आर्थिक नियोजन एवं उसके लक्ष्यों को प्राप्त करने के अत्यंत महत्त्वपूर्ण प्रभावी एवं नाजुक उपकरण हैं। भारत में विभिन्न राजकीय सत्ताओं के बीच करों का किसी वैज्ञानिक आधार पर निर्धारण नहीं हुआ। पिछले वर्षों में विभिन्न सत्ताओं ने जिस प्रकार मनमाने ढंग से कर लगाए हैं, उससे संपूर्ण व्यवस्था बड़ी बेढंगी हो गई है। आवश्यकता है कि एकात्मक वित्त व्यवस्था के आधार पर उसका विचार कर करों का पुनर्निर्धारण किया जाए। न्यूनतम जीवन की आवश्यक वस्तुएं सामान्यतः कर मुक्त रहनी चाहिए तथा राष्ट्रीय न्यूनतम आय से कम आय वाले व्यक्ति प्रत्यक्ष कर से मुक्त रहने चाहिए।

सहकारिता

सहकारिता भारतीय जीवन-व्यवस्था का अत्यंत महत्त्वपूर्ण एवं केंद्रीय तत्त्व रहा है। उसके आधार पर अर्थ-नीति की पुनर्रचना का प्रयास करना चाहिए। किंतु यह आवश्यक है कि सहकारी समितियां स्वाभाविक रूप से ही विकसित हों तथा वे ऊपर से थोपी न जाएं। शासन के कर्मचारियों का नियंत्रण एवं हस्तक्षेप सहकारिता की भावना एवं पद्धति के प्रतिकूल है। संयुक्त कुटुंब प्रथा यदि सहकारी तत्त्व पर पुनरुज्जीवित हो सकती है तो उसका उपयोग अवश्य करना चाहिए।

आवास

नागरिक की न्यूनतम आवश्यकताओं में आवास अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। अर्थव्यवस्था के परिवर्तन से श्रमिक की संक्रमणशीलता तथा नगरीकरण के कारण आवास का अभाव अत्यंत गंभीर रूप धारण कर गया है। राज्य को तथा विभिन्न निकायों को इस संबंध में एक व्यापक कार्यक्रम लेना चाहिए। प्रत्येक कुटुंब को रहने को मकान मिले, यह राज्य का दायित्व होना चाहिए।

सामाजिक सुरक्षा और कल्याण

समाज की अर्थव्यवस्था का यह लक्ष्य होना चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति जीविकोपार्जन करता हुआ अपना और अपने कुटुंबी जनों का सुखपूर्वक जीवन निर्वाह कर सके। प्रत्येक नागरिक को एक न्यूनतम जीवन-स्तर की गारंटी होनी चाहिए। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए एक ओर तो समाज कल्याण के ऐसे कार्यक्रम लेने होंगे, जिनमें प्रत्येक नागरिक कुछ सेवाएं सहज अथवा निःशुल्क प्राप्त कर सके और दूसरी ओर, उन वर्गों के लिए जो आयु अथवा अन्य किसी कारण से असहाय हों, सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था करनी होगी। निःशुल्क शिक्षा और निःशुल्क चिकित्सा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा, बेकारी और बीमारी बीमा, बुढ़ापा पेंशन, अनाथाश्रम आदि के कार्यक्रम इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपनाने होंगे।

स्वास्थ्य और चिकित्सा

व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक सुख के लिए ही नहीं अपितु इसलिए भी कि वह समाज की योजनाओं में अपना पूर्ण योगदान कर सके, उसका स्वस्थ रहना आवश्यक है। अतः राज्य का कर्तव्य है कि वह सार्वजनिक स्वास्थ्य के व्यापक एवं प्रभावी कार्यक्रम हाथ में ले। महामारी और संक्रामक रोगों की रोकथाम की व्यवस्था होनी चाहिए। भोजन, पानी और हवा शुद्ध मिल सकें, इसका ध्यान रखना होगा। खाद्य में मिलावट को रोकने के लिए कठोर उपाय करने चाहिए।

आयुर्वेद स्वास्थ्य और चिकित्सा दोनों का विचार लेकर चला है। विगत शताब्दियों में भारत में अनेक चिकित्सा पद्धतियां प्रचलित हुई हैं। उनमें नए-नए शोध भी हुए हैं। भारतीय जनसंघ प्रत्येक चिकित्सा पद्धति को उसकी प्रभावशीलता और देश की स्थितियों की पृष्ठभूमि में अनुकूलता का विचार कर पूर्ण प्रोत्साहन देने की नीति उपयुक्त समझता है। साथ ही यह भी आवश्यक है कि चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अद्यतन ज्ञान और शोधों को समाहित कर आयुर्वेद का राष्ट्रीय चिकित्सा पद्धति के रूप में विकास हो।

हमारा आराध्य

आर्थिक योजनाओं तथा आर्थिक प्रगति का माप समाज में ऊपर की सीढ़ी पर पहुंचे हुए व्यक्ति नहीं, बल्कि सबसे नीचे के स्तर पर विद्यमान व्यक्ति से होगा। आज देश में करोड़ों ऐसे मानव हैं, जो मानव के किसी भी अधिकार का उपभोग नहीं कर पाते। शासन के नियम और व्यवस्थाएं, योजनाएं और नीतियां, प्रशासन का व्यवहार और भावना इनको अपनी परिधि में लेकर नहीं चलतीं, प्रत्युत उन्हें मार्ग का रोड़ा ही समझा जाता है। हमारी भावना और सिद्धांत है कि ये मैले-कुचैले, अनपढ़, मूर्ख लोग हमारे नारायण हैं। हमें इनकी पूजा करनी है। यह हमारा सामाजिक एवं मानव धर्म है। जिस दिन इनको पक्के, सुंदर, सभ्य घर बनाकर देंगे, जिस दिन हम इनके बच्चों और स्त्रियों को शिक्षा और जीवन-दर्शन का ज्ञान देंगे, जिस दिन हम इनके हाथ और पांवों की बिवाइयों को भरेंगे और जिस दिन इनको उद्योगों और धंधों की शिक्षा देकर इनकी आय को ऊंचा उठा देंगे, उसी दिन तो हमारा भ्रातृभाव 'व्यक्त' होगा। ग्रामों में जहां समय अचल खड़ा है, जहां माता और पिता अपने बच्चों के भविष्य को बनाने में असमर्थ हैं, वहां जब तक हम आशा और पुरुषार्थ का संदेश नहीं पहुंचा पाएंगे, तब तक हम राष्ट्र के चैतन्य को जाग्रत् नहीं कर सकेंगे। हमारी श्रद्धा का केंद्र, आराध्य और उपास्य, हमारे पराक्रम और प्रयत्न का उपकरण तथा उपलब्धियों का मानदंड वह मानव होगा, जो आज शब्दशः अनिकेत और अपरिग्रही है। जब हम उस मानव को पुरुषार्थ-चतुष्ट्यशील बनाकर समुत्कर्ष का स्वामी और विद्या-विनय संपन्न करके आध्यात्मिकता के साक्षात्कार से राष्ट्र और विश्वसेवा परायण अनिकेतन और अपरिग्रही बना सकेंगे, तभी हमारा एकात्म मानव साकार हो सकेगा। ■

(समाप्त)

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि

23 मार्च, 1931 का दिन महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव का अमर बलिदान दिवस है। इन क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए सर्वस्व न्योछावर कर दिया। मातृभूमि के लिए इनका अमर प्रेम और विदेशियों से संघर्ष का अदम्य साहस अतुलनीय है। ये अमर बलिदानी न केवल देश के प्रेरणा पुंज हैं, बल्कि नौजवानों के आदर्श पुरुष भी हैं। समस्त देश इनका कृतज्ञ है।

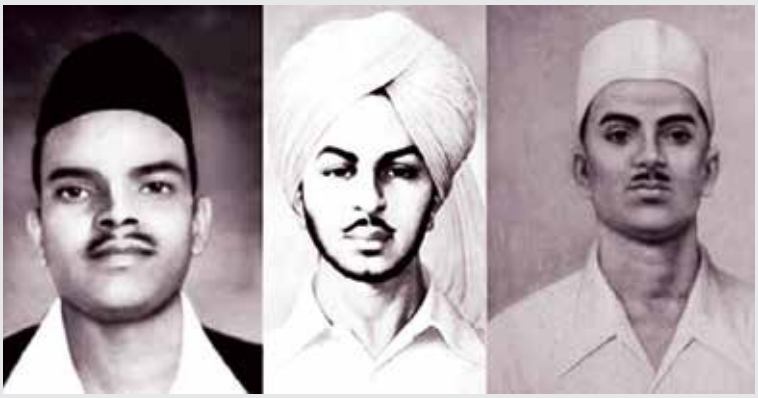

महान क्रांतिकारी भगत सिंह
(27 सितम्बर, 1907- 23 मार्च, 1931)

सरदार भगत सिंह एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे। इन्होंने केन्द्रीय असेम्बली की बैठक में बम फेंका और बम फेंककर वे भागे नहीं। क्रांतिकारी भगत सिंह को 23 मार्च, 1931 को इनके साथियों राजगुरु तथा सुखदेव के साथ फांसी दिया गया। भगत सिंह को जब फांसी दी गई, तब उनकी उम्र मात्र 24 वर्ष की थी। बहुत ही कम उम्र में भगत सिंह कई क्रान्तिकारी दलों के सदस्य बन गए। बाद में वे अपने दल के प्रमुख क्रान्तिकारियों के प्रतिनिधि भी बने। उनके दल के प्रमुख क्रान्तिकारियों में चन्द्रशेखर आजाद, भगवती चरण बोहरा, सुखदेव, राजगुरु इत्यादि थे।

जेल के दिनों में उनके द्वारा लिखे पत्रों व लेखों से उनके विचारों का पता लगता है। उनका विश्वास था कि उनकी शहादत भारतीय जनता को और प्रेरित करेगी। उन्होंने अंग्रेज सरकार को एक पत्र लिखा जिसमें कहा गया था कि उन्हें अंग्रेज़ सरकार के खिलाफ़ भारतीयों के युद्ध का युद्धबंदी समझा जाए तथा फ़ांसी देने के बदले गोली से उड़ा दिया जाए।

फांसी पर जाते समय भगत सिंह को जरा भी भय नहीं था, वे गा रहे थे—

दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फ़त,
मेरी मिट्टी से भी खुशबू-ए-वतन आएगी।

सुखदेव थापर
(15 मई, 1907 - 23 मार्च, 1931)

सुखदेव थापर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख क्रांतिकारी थे। इन्हें भगत सिंह और राजगुरु के साथ फांसी दिया गया था। इन्होंने भगत सिंह, रामचंद्र एवं भगवती चरण बोहरा के साथ लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन किया था। सांडर्स हत्या कांड में इन्होंने भगत सिंह तथा राजगुरु का साथ दिया था तथा जेल में कैदियों के साथ अमानवीय व्यवहार किये जाने के विरोध में व्यापक हड़ताल में भाग लिया।

शिवराम हरि राजगुरु
(24 अगस्त, 1908 - 23 मार्च, 1931)

शिवराम हरि राजगुरु भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख क्रांतिकारी थे। इन्हें भगत सिंह और सुखदेव के साथ फांसी दिया गया। इन्होंने धर्मग्रंथों तथा वेदों का अध्ययन किया तथा सिद्धांत कौमुदी इन्हें कंठस्थ हो गई थी। ये शिवाजी तथा उनकी छापामार शैली के प्रशंसक थे। ये हिन्दुस्तान सोसलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़े। ■

शिव कुमार पारीक नहीं रहे

पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के लंबे समय तक सहयोगी रहे श्री शिव कुमार पारीक का 5 मार्च, 2022 को निधन हो गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री शिव कुमार पारीक के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि शिव कुमार पारीक जी भाजपा की विचारधारा से ओत-प्रोत थे। उन्होंने खुद को राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित कर दिया।

एक ट्वीट में प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री शिव कुमार पारीक जी के निधन से दुःखी हूं। उन्होंने खुद को राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित कर दिया था। वह लंबे समय तक अटल जी के सहयोगी रहे। उनके साथ मेरे वर्षों के अनुभवों को सदा संजोकर रखूंगा। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदना। ■

हमें बापू के 'ग्रामीण विकास' के सपने को पूरा करना चाहिए: नरेन्द्र मोदी

गुजरात में महिला पंचायत प्रतिनिधियों की संख्या पुरुष प्रतिनिधियों की तुलना में अधिक है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11-12 मार्च को गुजरात का दौरा किया। गुजरात प्रवास के पहले दिन श्री मोदी ने 11 मार्च को अहमदाबाद में गुजरात पंचायत महासम्मेलन को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में राज्य भर से पंचायती राज प्रतिनिधियों ने भाग लिया। श्री मोदी ने कहा कि गुजरात बापू और सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमि है। उन्होंने कहा कि बापू हमेशा ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर गांवों की बात करते थे। आज जब हम अमृत महोत्सव मना रहे हैं, हमें बापू के 'ग्रामीण विकास' के सपने को पूरा करना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने महामारी के दौरान अनुशासित और बेहतर प्रबंधन के लिए गुजरात की पंचायतों और गांवों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात में महिला पंचायत प्रतिनिधियों की संख्या पुरुष प्रतिनिधियों की तुलना में अधिक है। श्री मोदी ने कहा कि डेढ़ लाख से अधिक पंचायत प्रतिनिधियों के एक साथ विचार-विमर्श करने की इस सच्चाई से ज्यादा भारतीय लोकतंत्र की ताकत का प्रतीक कुछ भी नहीं हो सकता है।

श्री मोदी ने पंचायत सदस्यों को सलाह दी कि कैसे छोटी लेकिन बहुत ही बुनियादी पहल के साथ गांव का विकास सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अपने स्कूल का जन्मदिन या स्थापना दिवस मनाने की सलाह दी। इसके माध्यम से उन्होंने स्कूल के परिसर और कक्षाओं को साफ करने और स्कूल के लिए अच्छी गतिविधियों को शुरू करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि देश अगस्त' 23 तक आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। उन्होंने इस अवधि के दौरान गांव में 75 प्रभात फेरी निकालने का सुझाव दिया।

श्री मोदी ने इस दौरान 75 कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी, जिसमें पूरे गांव की जनता को एक साथ बैठे और मिलकर गांव के समग्र विकास के बारे में सोचे। एक और सुझाव देते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में गांवों में 75 पेड़ लगाकर एक छोटा जंगल बनाना चाहिए। प्रत्येक गांव में कम से कम 75 किसान ऐसे होने चाहिए जो प्राकृतिक तरीके से खेती करें।

उन्होंने यह सुनिश्चित करने की भी सलाह दी कि एक भी मवेशी को बिना टीकाकरण के नहीं छोड़ा जाए, ताकि उन्हें संक्रामक बीमारी फुट एंड माउथ डिजीज (एफएमडी) से बचाया जा सके। श्री मोदी ने बिजली बचाने के लिए पंचायत सदस्यों से पंचायत घरों और गलियों में भी एलईडी बल्ब लगाने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को गांव में जाना चाहिए और गांव का जन्मदिन मनाया जाना चाहिए, जिसमें गांव के सभी लोग इकट्ठा हों और लोगों के भले के बारे में चर्चा करें।

श्री मोदी ने पंचायत सदस्यों से आम सेवा केंद्रों (सीएससी) का

अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए लोगों में जागरूकता फैलाने की अपील की, जो वास्तव में सरकार के लिए एक राजमार्ग की तरह हैं। इससे लोगों को रेलवे बुकिंग आदि के लिए बड़े शहरों में जाने के झंझट से बचने में मदद मिलेगी।

अंत में प्रधानमंत्री ने पंचायत सदस्यों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि कोई भी बच्चा पूरी स्कूली शिक्षा तक बीच में स्कूल न छोड़े और कोई भी बच्चा पात्रता के अनुसार स्कूल या आंगनवाड़ी में प्रवेश लेने से न छूटे।

प्रधानमंत्री ने रोड शो में भाग लिया

इससे पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गांधीनगर हवाई अड्डे पर उतरे और एक भव्य रोड में भाग लिया। श्री मोदी ने रोड शो के दौरान सड़क के दोनों ओर भारी संख्या में खड़े सैकड़ों कार्यकर्ताओं तथा प्रशंसकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। हवाई अड्डे से शुरू हुआ रोड शो करीब 10 किलोमीटर दूर गांधीनगर में भाजपा प्रदेश मुख्यालय 'कमलम' पर समाप्त हुआ।

श्री मोदी के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल भी थे। भाजपा के हजारों कार्यकर्ता भी रोड शो में शामिल हुए। वहीं, रास्ते में कई स्थानों पर

सड़क किनारे लगे मंचों पर कलाकारों ने शास्त्रीय एवं पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति दी।

गुजरात भाजपा कार्यकर्ताओं व नेताओं से मिले प्रधानमंत्री

बाद में शाम को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गांधीनगर स्थित गुजरात भाजपा प्रदेश मुख्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को समझाया कि कैसे पार्टी संगठन लोगों की अधिक प्रभावी ढंग से सेवा कर सकता है और साथ ही राष्ट्रीय विकास में योगदान दे सकता है।

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का भवन राष्ट्र को समर्पित

'देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए तनाव मुक्त प्रशिक्षण गतिविधियां समय की आवश्यकता है'

गुजरात प्रवास के दूसरे दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 मार्च को अहमदाबाद में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का एक भवन राष्ट्र को समर्पित किया और अपना पहला दीक्षांत भाषण दिया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल उपस्थित थे।

शुरुआत में प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी और दांडी मार्च में भाग लेने वालों को श्रद्धांजलि दी। इस दिन महान मार्च की शुरुआत की गई थी। श्री मोदी ने कहा कि अंग्रेजों के अन्याय के खिलाफ गांधी जी के नेतृत्व में जो आंदोलन चला, उसने अंग्रेजी हुकूमत को हम भारतीयों के सामूहिक सामर्थ्य का एहसास करा दिया था।

उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक काल के दौरान आंतरिक सुरक्षा की धारणा औपनिवेशिक शासकों के लिए शांति बनाए रखने के लिए जनता में भय पैदा करने पर आधारित थी। इसी तरह, पहले का परिदृश्य बहुत अलग था, क्योंकि सुरक्षा बलों के पास तैयारी के लिए अधिक समय था जो अब नहीं है क्योंकि प्रौद्योगिकी तथा परिवहन एवं संचार में काफी सुधार हुआ है।

प्रधानमंत्री ने पुलिसकर्मियों के लिए नौकरी के तनाव से निपटने में संयुक्त परिवार के घटते समर्थन के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बलों में योग विशेषज्ञों सहित तनाव से निपटने के लिए विशेषज्ञों और विश्राम की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए तनाव मुक्त प्रशिक्षण गतिविधियां समय की आवश्यकता है।

श्री मोदी ने कहा कि गांधीनगर क्षेत्र में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रक्षा विश्वविद्यालय और फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय हैं। उन्होंने इन संबंधित क्षेत्रों में समग्र शिक्षा कायम करने को लेकर नियमित संयुक्त संगोष्ठियों के माध्यम से इन संस्थानों के बीच तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि इसे पुलिस यूनिवर्सिटी मानने की गलती कभी न करें। यह एक रक्षा विश्वविद्यालय है जो देश की सुरक्षा का पूरा ख्याल रखता है। श्री मोदी ने भीड़ और भीड़ मनोविज्ञान, वार्ता, पोषण और प्रौद्योगिकी जैसे विषयों के महत्व को दोहराया।

उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे मानवता के मूल्यों को हमेशा अपनी वर्दी के अभिन्न अंग के रूप में रखें और अपने प्रयासों में सेवा भावना की कभी कमी नहीं होने दें। श्री मोदी ने सुरक्षा के क्षेत्र में लड़कियों और महिलाओं की बढ़ती संख्या पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की अधिक भागीदारी देख रहे हैं। विज्ञान हो, शिक्षा हो या सुरक्षा, महिलाएं आगे बढ़कर नेतृत्व कर रही हैं।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की स्थापना पुलिस, अपराध संबंधी न्याय और सुधारात्मक प्रशासन के विभिन्न अंगों में उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षित मानव शक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए की गई थी। सरकार ने रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय को अपग्रेड करके राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय नाम से एक राष्ट्रीय पुलिस विश्वविद्यालय की स्थापना की, जिसे 2010 में गुजरात सरकार द्वारा स्थापित किया गया था। यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। अक्टूबर, 2020 से इसका संचालन शुरू किया गया। यह विश्वविद्यालय उद्योग से ज्ञान और संसाधनों का लाभ उठाकर निजी क्षेत्र के साथ तालमेल विकसित करेगा तथा पुलिस एवं सुरक्षा से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित करेगा। ■

'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' के कार्यान्वयन को मिली मंजूरी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की केंद्रीय क्षेत्र की योजना 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' को 1600 करोड़ रुपये के बजट के साथ पांच वर्ष के लिए राष्ट्रीय स्तर पर शुरू करने को मंजूरी दे दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 26 फरवरी को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की केंद्रीय क्षेत्र की योजना 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' (एबीडीएम) को 1600 करोड़ रुपये के बजट के साथ पांच वर्ष के लिए राष्ट्रीय स्तर पर शुरू करने को मंजूरी दे दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की कार्यान्वयन एजेंसी होगी।

स्वास्थ्य इकोसिस्टम में डिजिटल स्वास्थ्य समाधान पिछले कुछ वर्षों में अत्यधिक लाभकारी सिद्ध हुए हैं तथा को-विन, आरोग्य सेतु और ई-संजीवनी ने यह दिखाया है कि स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को सक्षम करने में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। हालांकि, देखभाल की निरंतरता और संसाधनों के प्रभावी उपयोग के लिए ऐसे समाधानों को एकीकृत करने की आवश्यकता है।

जन-धन, आधार और मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी तथा सरकार की अन्य डिजिटल पहलों पर आधारित आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) विस्तृत डेटा के प्रावधान, सूचना और अवसंरचना सेवाओं के माध्यम से एक आसान ऑनलाइन प्लेटफार्म का निर्माण कर रहा है एवं खुले, परस्पर संचालन-योग्य व मानक-आधारित डिजिटल प्रणाली का विधिवत लाभ उठाते हुए स्वास्थ्य संबंधी व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा, गोपनीयता और निजता भी सुनिश्चित कर रहा है।

एबीडीएम के तहत नागरिक अपना आभा (आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता) नंबर बना सकेंगे, जिससे उनके डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड को जोड़ा जा सकेगा। यह विभिन्न स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में व्यक्तियों के लिए विस्तृत स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाने में सक्षम होगा और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं द्वारा नैदानिक निर्णय लेने को बेहतर बनाएगा। मिशन टेलीमेडिसिन जैसी तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहित करके और स्वास्थ्य सेवाओं के राष्ट्रीय स्तर पर विकल्प चयन (पोर्टेबिलिटी) को सक्षम करके गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तक न्यायसंगत पहुंच में सुधार करेगा।

एबीडीएम की प्रायोगिक परियोजना छह केंद्रशासित प्रदेशों लद्दाख, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में एनएचए द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म के सफल प्रदर्शन के साथ पूरी की गयी। प्रायोगिक परियोजना के दौरान डिजिटल सैंडबॉक्स बनाया गया था, जिसमें 774 से अधिक भागीदार समाधान एकीकरण के दौर से गुजर रहे हैं। 24 फरवरी, 2022 तक 17,33,69,087 आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते बनाए गए और एबीडीएम में 10,114 डॉक्टरों और 17,319 स्वास्थ्य सुविधाओं को पंजीकृत किया गया है।

एबीडीएम प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों के संबंध में न केवल साक्ष्य आधारित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि यह नवाचार को बढ़ावा देगा और स्वास्थ्य सेवा इकोसिस्टम में रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा। ■

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए आधुनिकीकरण योजना- IV योजना को मिली मंजूरी

आधुनिकीकरण योजना-IV गृह मंत्रालय द्वारा कुल 1,523 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ लागू की जाएगी। योजना के कार्यान्वयन से सीएपीएफ को समग्र परिचालन दक्षता/तैयारी में सुधार करने में मदद मिलेगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के लिए आधुनिकीकरण योजना-III के बाद 'सीएपीएफ के लिए आधुनिकीकरण योजना- IV' को मंजूरी दे दी। यह योजना 1 फरवरी, 2022 से 31 मार्च, 2026 तक लागू की जाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा चार मार्च को जारी विज्ञप्ति के अनुसार सीएपीएफ के लिए आधुनिकीकरण योजना- IV गृह मंत्रालय द्वारा कुल 1,523 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ लागू की जानी है और इससे सीएपीएफ की विभिन्न क्षेत्रों में तैनाती को ध्यान में रखते हुए, उनकी परिचालन आवश्यकता के अनुसार अत्याधुनिक हथियार और उपकरण से लैस किया जाएगा। इसके अलावा, सीएपीएफ को उन्नत आईटी समाधान भी प्रदान किए जाएंगे। योजना के कार्यान्वयन से सीएपीएफ को समग्र परिचालन दक्षता/तैयारी में सुधार लाने में मदद मिलेगी, जिससे देश में आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह अंतरराष्ट्रीय सीमा/एलओसी/एलएसी के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों, जैसे वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों, जम्मू और कश्मीर के केंद्रशासित प्रदेशों, लद्दाख और उग्रवाद से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्यों की चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार की क्षमता को मजबूत करेगा। ■

2021-22 के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के निर्यात में 2013-14 की तुलना में 88 प्रतिशत की हुई वृद्धि

भारत का व्यापारिक निर्यात 2021-22 (अप्रैल-जनवरी) में 46.53 प्रतिशत बढ़कर 335.44 बिलियन डॉलर हो गया, जो 2020-21 (अप्रैल-जनवरी) में 2019-20 (अप्रैल-जनवरी) के 264.13 बिलियन डॉलर से 27.0 प्रतिशत बढ़कर 228.9 बिलियन डॉलर था

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 28 फरवरी को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार भारत की इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात 2013-14 के 6600 मिलियन डॉलर से 88 प्रतिशत बढ़कर 2021-22 में 12,400 मिलियन डॉलर हो गया। इस क्षेत्र में प्रमुख रूप से निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में मोबाइल फोन, आईटी हार्डवेयर (लैपटॉप, टैबलेट), उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स (टीवी तथा ऑडियो), औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स तथा ऑटो इलेक्ट्रॉनिक्स हैं।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति 2019 (एनपीई 2019) का उद्देश्य भारत को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन तथा मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) के लिए वैश्विक केंद्र बनाना है। वैश्विक केंद्र बनाने के लिए नीति का उद्देश्य मुख्य घटकों के लिए देश में क्षमताओं को प्रोत्साहन देना और प्रेरित करना तथा विश्व में स्पर्धा करने के लिए उद्योग के अनुकूल वातावरण बनाना है।

इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र को प्रोत्साहित करने तथा आवश्यक इकोसिस्टम बनाने के लिए बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई), इलेक्ट्रॉनिक घटकों तथा सेमीकंडक्टरों के प्रोत्साहन के लिए योजना (एसपीईसीएस), संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर्स योजना (ईएमसी 2.0) तथा आईटी हार्डवेयर के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना लागू की गई है।

भारत का निर्यात निरंतर रूप से बढ़ रहा है। यह ध्यान देने की बात है कि भारत का व्यापारिक निर्यात जनवरी, 2022 में 23.69 प्रतिशत बढ़कर 34.06 बिलियन डॉलर का हो गया, जो जनवरी, 2021 में जनवरी, 2020 के 25.85 बिलियन डॉलर से 31.75 प्रतिशत बढ़कर 27.54 बिलियन डॉलर था।

भारत का व्यापारिक निर्यात 2021-22 (अप्रैल-जनवरी) में 46.53 प्रतिशत बढ़कर 335.44 बिलियन डॉलर हो गया, जो 2020-21 (अप्रैल-जनवरी) में 2019-20 (अप्रैल-जनवरी) के 264.13 बिलियन डॉलर से 27.0 प्रतिशत बढ़कर 228.9 बिलियन डॉलर था।

केंद्र सरकार निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक सक्रिय कदम उठा रही है। निर्यात क्षेत्र बाधाओं को विशेषकर महामारी के दौरान की बाधाओं को समाप्त करने के लिए एक निर्यात निगरानी डेस्क बनाया गया है। वाणिज्य विभाग के अंतर्गत विभिन्न अधिनियमों की अधिकता तथा पुराने प्रावधानों को समाप्त करने लिए समीक्षा की जा रही है। अत्यधिक उत्साह के साथ अनेक द्विपक्षीय व्यापार समझौते किए जा रहे हैं।

केंद्र सरकार एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) जैसी पहलों के माध्यम से भारत में प्रत्येक जिले को निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में संकल्पबद्ध है। विभिन्न निर्यातमुखी योजनाओं के माध्यम से निर्यातकों को समर्थन दिया जा रहा है। ■

'राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम' को एक विशेष उद्देश्य कंपनी के रूप में गठित करने की मिली मंजूरी

'राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम' केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के स्वामित्व की अतिरिक्त भूमि और भवनों का मुद्रीकरण करेगी। इस निगम की प्रारंभिक अधिकृत शेयर पूंजी 5000 करोड़ रुपये और चुकता शेयर पूंजी 150 करोड़ रुपये होगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय कैबिनेट ने नौ मार्च को राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम (एनएलएमसी) को केन्द्र सरकार के पूर्ण स्वामित्व में गठित करने की मंजूरी दे दी, जिसकी प्रारंभिक अधिकृत शेयर पूंजी 5000 करोड़ रुपये और चुकता शेयर पूंजी 150 करोड़ रुपये होगी। एनएलएमसी केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) के स्वामित्व की अतिरिक्त भूमि और भवनों का मुद्रीकरण करेगी। यह प्रस्ताव बजट 2021-22 की घोषणाओं के अनुरूप है।

गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के माध्यम से उपयोग में नहीं या आंशिक उपयोग वाली परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण करके सरकार राजस्व प्राप्त करेगी।

वर्तमान में सीपीएसई के पास बड़ी मात्रा में उपयोग में नहीं या आंशिक उपयोग वाली भूमि और परिसंपत्तियां मौजूद हैं। ऐसे सीपीएसई जो रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया में हैं या बंद होने के कगार पर हैं, इन अतिरिक्त भूमि और गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण उनके मूल्य निर्धारण के लिए महत्वपूर्ण हैं। एनएलएमसी इन परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण करेगा और इस प्रक्रिया का समर्थन करेगा। आंशिक उपयोग वाली इन परिसंपत्तियों के उत्पादन आधारित उपयोग से निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी और आर्थिक व सामाजिक अवसंरचना के लिए वित्तीय संसाधन प्राप्त होंगे। ■

भारत पिछले सात साल में 200 से ज्यादा बहुमूल्य प्रतिमाओं को वापस ला चुका है: नरेन्द्र मोदी

इस महीने की शुरुआत में भारत इटली से अपनी एक बहुमूल्य धरोहर को लाने में सफल हुआ है। यह धरोहर है— अवलोकितेश्वर पद्मपाणि की हजार साल से भी ज्यादा पुरानी प्रतिमा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 फरवरी को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के दौरान देश की चोरी हुई बहुमूल्य धरोहर को विदेशों से वापस लाने, मातृभाषा का महत्व, देश के विकास में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी समेत अनेक विषयों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' की 86वीं कड़ी में कहा कि इस महीने की शुरुआत में भारत इटली से अपनी एक बहुमूल्य धरोहर को लाने में सफल हुआ है। यह धरोहर है— अवलोकितेश्वर पद्मपाणि की हजार साल से भी ज्यादा पुरानी प्रतिमा। यह मूर्ति कुछ वर्ष पहले बिहार में गया जी के देवी स्थान कुंडलपुर मंदिर से चोरी हो गई थी, लेकिन अनेक प्रयासों के बाद अब भारत को ये प्रतिमा वापस मिल गई है।

श्री मोदी ने कहा कि ऐसे ही कुछ वर्ष पहले तमिलनाडु के वेल्लूर से भगवान आंजनेय्यर, हनुमान जी की प्रतिमा चोरी हो गई थी। हनुमान जी की ये मूर्ति भी 600-700 साल पुरानी थी। इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में हमें ये प्राप्त हुई, हमारे मिशन को मिल चुकी है।

उन्होंने कहा कि अभी आपने कुछ दिन पहले देखा होगा, काशी से चोरी हुई मां अन्नपूर्णा देवी की प्रतिमा भी वापस लाई गई थी। ये भारत के प्रति बदल रहे वैश्विक नजरिये का ही उदाहरण है। साल 2013 तक करीब-करीब 13 प्रतिमाएं भारत आयी थीं, लेकिन पिछले सात साल में 200 से ज्यादा बहुमूल्य प्रतिमाओं को भारत सफलता के साथ वापस ला चुका है।

श्री मोदी ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही हमने मातृभाषा दिवस मनाया। जो विद्वान लोग हैं, वो मातृभाषा शब्द कहां से आया, इसकी उत्पत्ति कैसे हुई, इसे लेकर बहुत अकादमिक सूत्र दे सकते हैं। मैं तो मातृभाषा के लिए यही कहूंगा कि जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। मां और मातृभाषा, दोनों मिलकर जीवन की नींव को मजबूत बनाते हैं, चिरंजीव बनाते हैं। जैसे, हम अपनी मां को नहीं छोड़ सकते, वैसे ही अपनी मातृभाषा को भी नहीं छोड़ सकते।

उन्होंने कहा कि भारत के लोग करीब 121 प्रकार की मातृभाषाओं से जुड़े हुए हैं और इनमें 14 भाषाएं तो ऐसी हैं जो एक करोड़ से भी ज्यादा लोग रोजमर्रा की जिंदगी में बोलते हैं, यानी जितनी कई यूरोपियन देशों की कुल जनसंख्या नहीं है, उससे ज्यादा लोग हमारे यहां अलग-अलग 14 भाषाओं से जुड़े हुए हैं। साल 2019 में हिन्दी दुनिया की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में तीसरे क्रमांक पर थी। इस बात का भी हर भारतीय को गर्व होना चाहिए। भाषा केवल अभिव्यक्ति का ही माध्यम नहीं है, बल्कि भाषा समाज की संस्कृति और विरासत को भी सहेजने का काम करती है।

> 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत देश में महिलाओं को खुले में शौच से मुक्ति मिली है। ट्रिपल तलाक जैसे सामाजिक बुराई का अंत भी हो रहा है। जब से ट्रिपल तलाक के खिलाफ कानून आया है, देश में तीन तलाक के मामलों में 80 प्रतिशत की कमी आई है

श्री मोदी ने कहा कि आज से कुछ दिन बाद ही 8 मार्च को पूरी दुनिया में 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आप किसी भी क्षेत्र में देखिए, महिलाएं पुराने मिथकों को तोड़ रही हैं। आज हमारे देश में संसद से लेकर पंचायत तक अलग-अलग कार्यक्षेत्र में महिलाएं नई ऊंचाई प्राप्त कर रही हैं। सेना में भी बेटियां अब नई और बड़ी भूमिकाओं में ज़िम्मेदारी निभा रही हैं और देश की रक्षा कर रही हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आप देश में एक और बढ़ा बदलाव भी होते देख रहे होंगे। यह बदलाव है– हमारे सामाजिक अभियानों की सफलता। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की सफलता को ही लीजिए, आज देश में लिंग अनुपात सुधरा है। स्कूल जाने वाली बेटियों की संख्या में भी सुधार हुआ है।

उन्होंने कहा कि 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत देश में महिलाओं को खुले में शौच से मुक्ति मिली है। ट्रिपल तलाक जैसे सामाजिक बुराई का अंत भी हो रहा है। जब से ट्रिपल तलाक के खिलाफ कानून आया है, देश में तीन तलाक के मामलों में 80 प्रतिशत की कमी आई है। ये इतने सारे बदलाव इतने कम समय में कैसे हो रहे हैं? ये परिवर्तन इसलिए आ रहा है, क्योंकि हमारे देश में परिवर्तन और प्रगतिशील प्रयासों का नेतृत्व अब खुद महिलाएं कर रहीं हैं। ■

क्वॉड को हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के मुख्य उद्देश्य पर ध्यान देना चाहिये: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मानवीय और आपदा राहत, ऋण वहनीयता, आपूर्ति शृंखला, स्वच्छ ऊर्जा, संपर्कता और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में क्वॉड में आंतरिक सहयोग के ठोस तथा व्यावहारिक स्वरूप का आह्वान किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तीन मार्च को अमेरिकी राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री श्री फूमियो किशीदा के साथ क्वॉड के शीर्ष नेतृत्व की वर्चुअल शिखर-वार्ता में हिस्सा लिया।

इस शिखर वार्ता में सितंबर, 2021 को आहूत क्वॉड शिखर वार्ता के बाद क्वॉड की पहलों पर हुई प्रगति की समीक्षा की गई। सभी राष्ट्राध्यक्षों ने इस वर्ष के अंत में जापान में होने वाली शिखर वार्ता के आयोजन तक ठोस नतीजे प्राप्त करने के उद्देश्य से सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि क्वॉड को हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को प्रोत्साहन देने के मुख्य उद्देश्य पर ध्यान देना चाहिये। उन्होंने मानवीय और आपदा राहत, ऋण वहनीयता, आपूर्ति शृंखला, स्वच्छ ऊर्जा, संपर्कता और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में क्वॉड में आंतरिक सहयोग के ठोस तथा व्यावहारिक स्वरूप का आह्वान किया।

बैठक में उक्रेन की परिस्थितियों पर भी चर्चा की गई, जिसमें मानवीय संकट का विषय भी शामिल था। प्रधानमंत्री ने वार्ता और राजनय के मार्ग पर लौटने की आवश्यकता पर बल दिया।

सभी राष्ट्राध्यक्षों ने अन्य मुख्य विषयों पर भी चर्चा की, जिनमें दक्षिण-पूर्व एशिया, हिन्द महासागर क्षेत्र और प्रशांत द्वीपसमूह की परिस्थिति शामिल थी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन तथा सम्प्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान के महत्व को दोहराया।

सभी राष्ट्राध्यक्षों ने जापान में होने वाली आगामी शिखर वार्ता के लिये महत्वाकांक्षी एजेंडे पर काम करने और एक-दूसरे के संपर्क में रहने पर सहमति व्यक्त की। ■

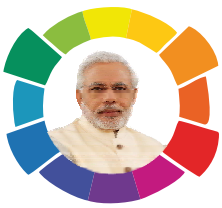

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

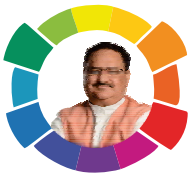

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

अहमदाबाद (गुजरात) में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के राष्ट्र को समर्पण और प्रथम दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, गुजरात के राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

नई दिल्ली में वर्ष 2020 और 2021 के नारी शक्ति पुरस्कार विजेताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

गांधीनगर (गुजरात) में गुजरात पंचायत महासम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में कोविड-19 और टीकाकरण पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

पुणे (महाराष्ट्र) में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh @KamalSandesh

kamal.sandesh KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह